सूर्योदय दि. 26-11-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

ओपन सर्च

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

तमन्ना भाटिया ने भारतीय स्वास्थ्य ..पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 237 नई दिल्ली, शुक्रवार 26 नवंबर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

सात दशक बाद उत्तर प्रदेश को वह मिल रहा है जिसका वह हकदार है : मोदी

मोदी ने कहा कि हमारे देश में कुछ राजनीतिक दलों ने हमेशा अपने स्वार्थ को सर्वोपरि रखा है।

जेवर, गौतमबुद्धनगर (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को उत्तरी भारत का लॉजिस्टिक गेटवे बताते हुए आज कहा कि इससे उत्तर प्रदेश को सात दशक बाद वह मिलना शुरू हुआ है जिसका वह हकदार रहा है।

श्री मोदी ने दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के भूमिपूजन एवं शिलान्यास के बाद एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का नया भारत आज एक से बढ़कर एक बेहतरीन आधुनिक ढांचागत निर्माण कर रहा है। बेहतर सड़कें, बेहतर रेल नेटवर्क, बेहतर एयरपोर्ट ये सिर्फ ढांचागत परियोजनाएं ही नहीं होतीं बल्कि ये पूरे क्षेत्र का कायाकल्प कर देती हैं और लोगों का जीवन पूरी तरह से बदल देती हैं। उन्होंने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा उत्तरी भारत का लॉजिस्टिक गेटवे बनेगा।

ये इस पूरे क्षेत्र को राष्ट्रीय गतिशक्ति मास्टरप्लान का एक सशक्त प्रतिबिंब बनाएगा। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के निर्माण के दौरान रोज़गार के हजारों अवसर बनते हैं। हवाई अड्डे को सुचारु रूप से चलाने के लिए भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हजारों लोगों को नए रोजगार भी देगा। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे, मेट्रो, रेलवे, डीएफसी आदि के संपर्क से युक्त यह हवाईअड्डा कनेक्टिविटी के मामले में देश का अनूठा हवाईअड्डा होगा। श्री मोदी ने कहा, पहले की सरकारों ने जिस उत्तर प्रदेश को अभाव और अंधकार में बनाए रखा, पहले की सरकारों ने जिस उत्तर प्रदेश को हमेशा झूठे सपने दिखाए, वही उत्तर प्रदेश आज राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय छाप छोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में और केंद्र में पहले जो सरकारें रहीं, उन्होंने कैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास को नजरअंदाज किया, उसका एक उदाहरण ये जेवर हवाईअड्डा भी है। दो दशक पहले राज्य की भाजपा सरकार ने इस परियोजना का सपना देखा था। लेकिन बाद में ये हवाईअड्डा अनेक वर्षों तक केन्द्र और लखनऊ में पहले जो सरकारें रहीं, उनकी खींचतान में उलझा रहा। उत्तर प्रदेश में पहले जो सरकार थी उसने तो बाकायदा चिट्ठी लिखकर, तब की केंद्र सरकार को कह दिया था कि इस हवाईअड्डे की परियोजना को बंद कर दिया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा, मोदी और योगी भी चाहते तो 2017 में सरकार बनते ही यहां आकर फोटो खिंचवा लेते, पर होता कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि पहले राजनीतिक लाभ के लिए ढांचागत परियोजनाओं की घोषणा होती थी। परियोजनाएं कैसे ज़मीन पर उतरें, उनके लिए धन का प्रबंध कैसे हो, दशकों तक तक ये उसी में अटकी रहती थीं। फिर बहानेबाजी शुरू होती थी। उन्होंने कहा कि ढांचागत विकास हमारे लिए राजनीति का नहीं बल्कि राष्ट्रनीति का हिस्सा है।

हम ये सुनिश्चित कर रहे हैं कि परियोजनाएं अटके नहीं, लटके नहीं, भटके नहीं। हम ये सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि तय समय के भीतर ही ढांचागत का काम पूरा किया जाए। अब डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से आज हम उसी हवाईअड्डे के भूमिपूजन के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा, आज़ादी के सात दशक बाद, पहली बार उत्तर प्रदेश को वो मिलना शुरू हुआ है, जिसका वो हमेशा से हकदार रहा है।

मोदी ने दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के भूमिपूजन एवं शिलान्यास के बाद एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 21वीं सदी का नया भारत आज एक से बढ़कर एक बेहतरीन आधुनिक ढांचागत निर्माण कर रहा है।

कानपुर की प्रसिद्धि में एचबीटीयू की भूमिका अहम : राष्ट्रपति

राज्यपाल पटेल ने इतिहास की एक पुस्तक का विमोचन करते हुए प्रथम पुस्तक राष्ट्रपति को भेंट की।

ओपन सर्च ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने उत्तर प्रदेश के मुख्य औद्योगिक नगर कानपुर को विभिन्न क्षेत्रों में ख्याति दिलाने में हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय (एचबीटीयू) के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि इस तरह के संस्थान किसी भी शहर को सर्वांगीण विकास के वाहक बनते हैं। राष्ट्रपति कोविंद ने गुरुवार को कानपुर में अपने दो दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन एचबीटीयू की स्थापना के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुये यह बात कही। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद थीं। इससे पहले राष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलित कर संस्थान के शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने एक डाक टिकट, विशेष आवरण और 100 रुपये मूल्य के स्मारक सिक्के का विमोचन भी किया। वहीं, राज्यपाल पटेल ने इतिहास की एक पुस्तक का विमोचन करते हुए प्रथम पुस्तक राष्ट्रपति को भेंट की। शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कोविन्द ने कहा कि 'मैंचेस्टर ऑफ द ईस्ट', 'लेदर सिटी ऑफ द वर्ल्ड' तथा 'इंडस्ट्रियल हब' के रूप में कानपुर को जो प्रसिद्धि मिली उसके पीछे हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी द्वारा उपलब्ध करायी गई तकनीक और मानव संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के युग में भारत के युवा, सफलता के ऐसे अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं जिनकी कुछ वर्षों पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। राष्ट्रपति ने कहा कि आज समय की जरूरत है कि बेटियों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इससे महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जतायी कि कानपुर को कचरा-मुक्त शहर बनाने के प्रयास में, एचबीटीयू सहित कानपुर के सभी उच्च शिक्षण संस्थान, औद्योगिक अनुसंधान के सभी संस्थान, सभी विद्यार्थी तथा जिम्मेदार नागरिक मिलकर युद्ध-स्तर पर कार्य करेंगे। गौरतलब है कि राष्ट्रपति कोविन्द ने कानपुर यात्रा के पहले दिन बुधवार को मेहरबान सिंह का पुरवा स्थित चौधरी हरमोहन सिंह पैरामेडिकल साइंस एंड नर्सिंग संस्थान में चौधरी हरमोहन सिंह यादव के जन्म शताब्दी समारोह में शिरकत की थी।

'इससे पहले राष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलित कर संस्थान के शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने एक डाक टिकट, विशेष आवरण और 100 रुपये मूल्य के स्मारक सिक्के का विमोचन भी किया। वहीं, राज्यपाल पटेल ने इतिहास की एक पुस्तक का विमोचन करते हुए प्रथम पुस्तक राष्ट्रपति को भेंट की।'

एक नज़र

कर्नाटक के मेडिकल कालेज में फूटा कोरोना बम, 60 छात्र हुए संक्रमित

बेंगलुरु (एजेंसी) कर्नाटक के धारवाड़ में एसडीएम मेडिकल कालेज में 60 छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए। इतने सारे छात्रों का कोरोना का शिकार होना प्रशासन को चिंता में डाल गया है. प्रशासन ने तुरंत एक्शन लेते हुए कॉलेज बिल्डिंग के दो हास्टल सील कर दिए हैं इस कॉलेज में कुल 400 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी नीतीश पाटिल ने कहा कि धारवाड़ में एसडीएम कालेज आफ मेडिकल साइंसेज के 60 छात्रों को कोविड पाजिटिव पाया गया। अन्य 100 छात्रों की जांच रिपोर्ट का इंतजार है। कॉलेज के दो छात्रावासों को सील किया गया है। बताया गया है कि जैसे ही कुछ छात्र कोरोना पाजिटिव पाए गए, मेडिकल कालेज द्वारा सभी का कोरोना टेस्ट करने का फैसला लिया गया। कालेज में अब तक 300 छात्रों का टेस्ट हो चुका है और इसमें 60 छात्र संक्रमित पाए गए हैं। इससे पहले भी राज्य के कई स्कूलों और कालेज में कोरोना बम फटा है। पिछले दिनों राजस्थान के उदयपुर में एक स्कूल में 11 छात्र कोरोना पाजिटिव पाए गए थे। तेलंगाना में भी एक स्कूल में 28 छात्राएं कोरोना का शिकार हो गई थीं. दूसरे कई राज्यों के स्कूल से भी ऐसी ही खबरें देखने सुनने को मिल रही हैं।

देश में कोरोना के नए मामले दस हजार से कम

नई दिल्ली (एजेंसी) देश में कोरोना की धीमी पड़ती रफ्तार के बीच गुरूवार को नौ हजार के लगभग नए मामले दर्ज किए गए। इस दौरान महामारी से ठीक होने वालों की संख्या दस हजार से अधिक रही है। देश में बुधवार को मध्य रात्रि तक कोरोना संक्रमण के 9119 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ देश में संक्रमितों की संख्या तीन करोड़ 45 लाख 44 हजार 882 हो गई है।

इस दौरान 90 लाख 27 हजार 638 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये और अब तक एक अरब 19 करोड़ 38 लाख 44 हजार 741 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में बीते दिन 10264 मरीज स्वस्थ हुए हैं और इसके साथ ही महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ 39 लाख 67 हजार 962 हो गयी है।

त्रिपुरा में हर बूथ पर केंद्रीय अर्धसैनिक बल तैनात करें: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने त्रिपुरा नगर पालिका चुनाव में सभी मतदान और मतगणना केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती का गुरुवार को आदेश दिया। राज्य में आज स्थानीय निकाय के चुनाव हो रहे हैं। इसके लिए के लिए 770 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। वोटों की गिनती 28 नवंबर की जाएगी।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने राज्य में कानून व्यवस्था की लचर स्थिति का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक और राज्य चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वे भयमुक्त एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए पर्याप्त केंद्रीय बलों की तैनाती सुनिश्चित करने के तत्काल प्रभाव से उपाय करें।

शीर्ष अदालत ने त्रिपुरा सरकार से कहा कहा कि तत्काल आकलन कर केंद्रीय गृह मंत्रालय के संबंधित अधिकारियों से संपर्क करें, ताकि समुचित सुरक्षा इंतजाम किया जा सके। पीठ ने केंद्र सरकार को आदेश दिया कि वह आज चल रहे चुनाव के लिए बिना किसी देरी के अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षाबल मुहैया करायें। केंद्र सरकार की ओर से सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को आश्वस्त किया कि पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल उपलब्ध कराए जाएंगे।

शीर्ष अदालत ने सभी 770 मतदान केंद्रों पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती का आदेश दिया है। साथ ही, मतदान तथा मतगणना अधिकारियों एवं चुनाव से संबंधित अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त सुरक्षा की तत्काल मांग कर सकते हैं।

साबरमती गांधी आश्रम के पुनर्विकास पर रोक संबंधी तुषार गांधी की याचिका ख़ारिज

अहमदाबाद (एजेंसी)

गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद में महात्मा गांधी के ऐतिहासिक साबरमती आश्रम के पुनर्विकास की राज्य सरकार की परियोजना पर रोक लगाने तथा सम्बंधित सरकारी संकल्प को रद्द करने की बापू के प्रपौत्र तुषार गांधी की चर्चित जनहित याचिका को आज ख़ारिज कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति आशुतोष जे शास्त्री की खंडपीठ ने याचिका का निस्तारण करते हुए यह भी अवलोकन दिया कि याचिककर्ता की शंका का निवारण सम्बंधित सरकारी आदेश में भी किया गया है। श्री गांधी ने पिछले माह ही उक्त जनहित याचिका अदालत में दायर की थी। इसमें उन्होंने दावा किया था कि क़रीब 1200 करोड़ रुपए की उक्त परियोजना से इस ऐतिहासिक महत्व वाले आश्रम और इसके संचालन की मूल प्रकृति प्रभावित होगी। इसे रद्द कर आश्रम को इसके मूल स्वरूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। इसी साल पांच मार्च को राज्य सरकार ने उद्योग और खनन विभाग के ज़रिए क़रीब 55 एकड़ में इस

आश्रम के पुनर्विकास के लिए एक संचालन परिषद के गठन का संकल्प जारी किया था। श्री गांधी ने इस क़दम को उनके दादा जी यानी बापू के मूल विचारों के सर्वथा विपरीत भी करार दिया था। राज्य सरकार ने इस परियोजना की डिज़ाइन उसी एचसीपी प्राइवेट लिमिटेड से तैयार कराया है जो नए संसद भवन यानी सेंट्रल विस्टा परियोजना की भी डिज़ाइन कर्ता है। कई गांधीवादी संगठनों ने इसके विरोध में एक यात्रा का भी आयोजन किया था। अदालत में राज्य सरकार के प्रतिनिधि महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने कहा कि इस परियोजना में यहां रणिप क्षेत्र में साबरमती नदी के किनारे स्थित इस आश्रम के स्वरूप से कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। इसके क़रीब एक एकड़ क्षेत्र को नहीं छुआ जाएगा।

परियोजना आस पास के 55 एकड़ क्षेत्र को विकसित करने की है। इसके ज़रिए गांधीवादी विचारधारा का ही प्रसार होगा। श्री त्रिवेदी ने यह भी कहा कि पूर्व में इसी तर्ज़ पर बिनावजह स्टेच्यू ऑफ़ यूनिटी का भी विरोध किया जा रहा था। ज्ञातव्य है कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान रणनीति निर्माण का एक प्रमुख केंद्र रहे इस आश्रम में गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से वापसी के बाद एक दशक से अधिक समय तक रहे थे। यही से उन्होंने नमक सत्याग्रह सम्बंधित दांडी यात्रा शुरू की थी।

भारतीय वायु सेना को फ्रांस से दो मिराज 2000 लड़ाकू विमान मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)

सीमा पर तनाव के बीच, भारतीय वायु सेना को अपने लड़ाकू जेट बेड़े को मजबूती मिली है। फ्रांस से दो सेकेंड हैंड मिराज 2000 लड़ाकू विमान वायु सेना को मिले हैं, जिन्हें ग्वालियर एयरबेस पर पहुंचाया गया है। केंद्र के सूत्रों ने एएनआइ को बताया, भारतीय वायुसेना को फ्रांस से दो मिराज 2000 ट्रेनर वर्जन विमान मिले हैं। दोनों विमान अपनी वायु सेना के साथ उड़ान भर रहे थे और हाल ही में ग्वालियर एयरबेस पर पहुंचे। सूत्रों ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड में चल रहे मिराज अपग्रेड प्रोग्राम के तहत विमान को अब नवीनतम मानकों पर अपग्रेड किया जाएगा। मिराज लड़ाकू बेड़े में लगभग 50 विमानों की संख्या बनाने के कार्यक्रम के तहत भारतीय वायु सेना द्वारा दो विमानों का अधिग्रहण किया गया है। IAF ने विभिन्न बैचों में लगभग 51 मिराज का अधिग्रहण किया है और उनसे तीन स्क्वाड्रन बने हैं जो सभी ग्वालियर वायु सेना स्टेशन में स्थित हैं। सूत्रों ने कहा कि फ्रांस और भारतीय पक्षों के बीच मिराज अपग्रेड

डील 51 विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए थी और इनमें से कुछ किट इन विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण बची हैं। सूत्रों ने कहा कि इन दो फ्रांसीसी वायु सेना के विमानों पर एक ही किट लगाई जा सकती है और उन्हें लड़ाकू अभियानों के लिए उपयुक्त बनाया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि भारतीय वायु सेना ने पुराने फ्रांसीसी विमानों के रूप में मिराज के लिए पुर्जों को खोजने में बहुत चालाकी से निवेश किया है और इससे वायु सेना को 2035 तक उन्हें बनाए रखने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया छह खिलाड़ियों को सम्मानित

दिल्ली के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रौशन कर दिल्ली को सम्मान दिया है : अरविंद केजरीवाल

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज टोक्यो ओलम्पिक समेत अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भारत के लिए मेडल लाने वाले और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिल्ली के छह खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रवि दाहिया को दो करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने के साथ ही खेल विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया है। दिल्ली सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ स्पोर्ट्स को भी अब अधिक प्राथमिकता देगी। इसके लिए दिल्ली में बड़े स्तर पर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर सिर्फ दिल्ली का नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का है। यहां देश भर से सभी खिलाड़ी आएं और ट्रेनिंग करें। हमारा तो मान तब बढ़ेगा, जब पूरे देश को मेडल मिलेंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी बनाई है, जो बच्चों को स्पोर्ट्स में डिग्री देने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी तैयार करेगी। सभी खिलाड़ियों से अपील है कि आप देश और दिल्ली के बच्चों को आगे बढ़ने के लिए तैयार करें। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, ''टोक्यो ओलम्पिक में भारत के लिए मेडल लाने वाले श्री रवि दहिया जी समेत दिल्ली के 6 खिलाड़ियों को आज सम्मानित किया। रवि जी को 2 करोड़ रुपए की सम्मान राशि एवं खेल विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया। दिल्ली के हमारे इन खिलाड़ियों ने पूरे देश को गौरवांवित किया है।'' दिल्ली सरकार के शिक्षा एवं खेल निदेशालय की ओर से आज दिल्ली सचिवालय में सम्मान समारोह का आयोजन कर टोक्यो ओलंपिक 2021 में दिल्ली के पदक विजेताओं और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिल्ली के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और विशिष्ट अतिथि के तौर पर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केरजीवाल ने टोक्यो ओलंपिक मेडल जीतने और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिल्ली के खिलाड़ी रवि दाहिया, शरद कुमार, सिमरन, सार्थक भाम्बरी, आमोद जैकब और कशिश लाकड़ा को नकद प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। खिलाड़ी रवि दाहिया को टोक्यो ओलंपिक 2020 में कुश्ती वर्ग में सिल्वर मेडल जीतने पर दो करोड़ रुपए और खिलाड़ी शरद कुमार को उंची कूद में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए एक करोड़ रुपए का चेक सौंपा गया।

वहीं, खिलाड़ी सिमरन को 10 लाख रुपए, सार्थक भाम्बरी को 5 लाख रुपए, आमोद जैकब को 5 लाख रुपए और कशिश लाकरा को 10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक सौंपा गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज बेहद खुशी का दिन है कि हम अपने छह हीरों को सम्मानित कर रहे हैं। हम कहते हैं कि दिल्ली के दो करोड़ लोग एक परिवार की तरह हैं। जब परिवार में कोई बच्चा पहले स्थान पर आता है या किसी चीज में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, तो पूरे परिवार को बहुत खुशी होती है और पूरे कॉलोनी में मिठाइयां बांटता है। इसी तरह, हमारे परिवार के इन छह बच्चों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रौशन किया है। देश के 130 करोड़ लोगों का नाम रौशन किया है। हम सारे दिल्ली के लोगों को अपने इन बच्चों पर बहुत-बहुत गर्व है। आज यह जो सम्मान दिया गया है, यह हमने उनकों सम्मान नहीं दिया है, बल्कि उन्होंने दिल्ली को सम्मान दिया है। इन्होंने दिल्ली और देश का नाम रौशन किया है। हमने तो आज इन सभी बच्चों का सिर्फ उनका शुक्रिया यदा किया है कि आपने दिल्ली के बच्चे होकर पूरे देश का नाम पूरी दुनिया में रौशन किया।

सितंबर में ईपीएफओ से जुड़े आठ लाख 94 हजार अंशधारक

नई दिल्ली (एजेंसी) सरकार ने कहा है कि सितंबर 2021 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की भविष्य निधि से आठ लाख 94 हजार से अधिक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्वास्थ्य बीमा योजना से 13 लाख 37 हजार से अधिक और राष्ट्रीय पेंशन योजना से 72 हजार से अधिक कर्मचारी जोड़े गये हैं। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने गुरुवार को सितंबर 2021 में रोजगार परिदृश्य से जुड़े आंकड़े जारी करते हुए यहां बताया कि सितंबर 2021 में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कर्मचारी भविष्य निधि में कुल आठ लाख 94 हजार 732 नये कर्मचारी शामिल हुए हैं। इनमें छह लाख 70 हजार 143 पुरुष और दो लाख 24 हजार 569 महिलायें हैं।

एक नज़र

जेवर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर नहीं उतरने देने की चेतावनी पर बुलंदशहर में सपा नेता हिरासत में

बुलंदशहर (एजेंसी) जेवर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर नहीं उतरने देने की चेतावनी देने पर बुलंदशहर के सिकन्दराबाद में एक सपा नेता को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बुधवार की रात मुलायम सिंह यादव यूथ बिग्रेड के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व भाकियू बलराज गुट के महासचिव गांव सराय दूल्हा निवासी प्रमोद यादव को व्हाट्सएप ग्रुप पर चोला क्षेत्र के किसानों के मुआवजा संबंधी मामले को लेकर किसानों को भड़काने की पोस्ट की। इस दौरान समस्या और मांगों का निदान न होने पर गुरुवार को जेवर में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर नहीं उतरने देने की चेतावनी की पोस्ट डाली। ग्रुपों पर वायरल हुई पोस्ट से पुलिस हरकत में आई।

सुबह में दबिश देकर प्रमोद यादव को हिरासत में ले लिया है। वहीं जेवर पहुचकर काले झंडे दिखाने की चेतावनी देने वाले लिखी पंडित समेत चार किसान नेताओ को भी हिरासत में लेकर नजरबंद किया है। गौरतलब है आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास करेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को गौतमबुद्धनगर के जेवर हवाई अड्डे का शिलान्यास करेंगे। इससे पूर्व मंगलवार रात समाजवादी युवजन सभा के पदाधिकारियों ने कलक्ट्रेट तिराहे के साथ-साथ अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विवादित होर्डिंग्स लगा दिए।

समाजवादी पार्टी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष नीरज त्यागी, राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद सुहैल अबरार और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कोमल गुर्जर द्वारा रातोंरात बड़े-बड़े होर्डिं?स शहर में लगा दिए गए। इसमें मुलायम सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के फोटो भी चस्पा किए गए। होर्डिंग्स पर प्रश्न और जवाब दिए गए। भाजपा कब एयरपोर्ट को बेचेगी यह सवाल भी पूछा गया और 2022 में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने पर निजीकरण से बचाने का संदेश देते हुए जवाब लिखा गया। ये होर्डिंग्स कालाआम चौराहा, भूड़ चौराहा, डीएवी चौराहा और वहलीनपुरा में लगाए गए।

प्रयागराज में परिवार के चार लोगों की हत्या, पति-पत्नी तथा दो बच्चों को धारदार हथियार के प्रहार से मारा

प्रयागराज (एजेंसी) शहर से सटे फाफामऊ थाना क्षेत्र के मोहनगंज फुलवरिया गोहरी गांव में एक ही परिवार के चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मारे गए लोगों में पति-पत्नी, उनकी पुत्री और एक पुत्र है। घटना के पीछे गांव के ही कुछ लोगों से पुरानी रंजिश बनाई जाती है। मौके पर खोजी कुत्ता भी लाया गया है। चार लोगों के कत्ल की खबर मिली तो पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

मौके पर फोरेंसिंक टीम को भी बुलाकर छानबीन शुरू कर दी गई। मौके पर एसपी गंगापार के साथ एसएसपी पहुंचे और परिवार के लोगों से बात की। भाई कृष्ण चंद्र ने कहा कि गांव के दबंग ठाकुर परिवार ने जीना हराम कर रखा था। उस पर ही शक है। पुलिस का कहना है कि मोहनगंज फुलवरिया गोहरी गांव निवासी फूलचंद (50) मजदूरी करता था। बुधवार रात वह घर में पत्नी मीनू देवी (45), 17 साल की बेटी सपना 17 और 10 साल के बेटे शिव के साथ सो रहा था। देर रात घर में घुसे हमलावरों ने चारों पर धारदार हथियार से हमला किया। सुबह कत्ल की जानकारी पड़ोसियों को मिली तो भीड़ लगी और फिर पुलिस वहां पहुंची।पति-पत्नी और दोनों बच्चे चारपाई पर सोए थे। उनके रक्तरंजित शव बिस्तर पर ही मिले।

पुलिस को गांव वालों के गुस्से का भी सामना करना पड़ा है। पुलिस आसपास के लोगों से बात कर रही है कि क्या रात में किसी ने कोई आवाज सुनी या कुछ भनक लगी। उल्लेखनीय है कि सोरांव और फाफामऊ इलाके में पिछले बरसों में कई सामूहिक कत्ल हो चुके हैं। सोरांव के युसूफपुर में परिवार के पांच लोगों की बेरहमी से हत्या की वारदात का पिछले दिनों पुलिस ने एक गिरोह को गिरफ्तार कर खुलासा किया था। मगर उस गिरोह के पकड़े जाने के चंद दिनों के भीतर इस वारदात ने पुलिस को भी सन्न कर दिया।

शाहजहांपुर में महिला ने कांस्टेबल पति पर लगाया जहर खिलाने का आरोप, पुलिस चौकी के पास पड़ी मिली महिला

बरेली (एजेंसी) शाहजहांपुर में महिला ने कांस्टेबल पति पर जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाया। पुलिस को महिला पुलिस चौकी के पास पड़ी मिली। हालत गंभीर होने पर राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार चल रहा है। सदर क्षेत्र के सिविल लाइंस निवासी सुषमा देवी ने सदर थाने में कांस्टेबल पति पवन कुमार के खिलाफ प्रताड़ित करने का मुकदमा दर्ज कराया था।

बुधवार को इस प्रकरण में सुषमा, पवन कुमार व सदर थाने के विवेचक एडीजी जोन के सामने पेश हुए थे। शाम को वापस शाहजहांपुर आने के बाद सुषमा रोजा थाना क्षेत्र के हथौड़ा पुलिस चौकी के पास सड़क किनारे पड़ी मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पूछने पर आरोप लगाया कि पति ने जहरीला पदार्थ खिलाकर जान से मारने का प्रयास किया।

इसके बाद उन्हें राजकीय मेडिकल कालेज भिजवाया गया। एएसपी सिटी संजय कुमार ने बताया कि महिला ने प्रताड़ित करने का मुकदमा दर्ज कराया था। जिसकी जांच चल रही है। अब जो आरोप लगाए जा रहे है उसकी भी जांच कराई जाएगी। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर : जमीन के एक टुकड़े के लिए बेटे ने ले ली पिता की जान

गोरखपुर (एजेंसी) गोला थाना क्षेत्र के डाड़ी खास गांव में जमीन बंटवारे के विवाद में पुत्र ने वृद्ध पिता को धक्का दे दिया, जिससे वह गिर पड़े। आनन-फानन स्वजन उन्हें मेडिकल कालेज ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। देर रात शव घर पहुंचते ही उनके दूसरे पुत्र ने पुलिस को पिता के हत्या किए जाने की सूचना दे दी। सूचना मिलते ही मौके पर क्षेत्राधिकारी दल-बल के साथ पहुंच गए और मामले की जांच पड़ताल कर रहे हैं। गांव के 70 वर्षीय तीरथ चौरसिया की पहली पत्नी से एक पुत्र है।

पहली पत्नी के मृत्यु के बाद उन्होंने पत्नी की छोटी बहन से शादी कर ली, जिससे तीन पुत्र हैं। इनसे काफी दिनों से जमीन का विवाद चल रहा है। उनका सबसे बड़ा पुत्र पटना में रहता है। वह इन दिनों घर आया था और घर बनवाने के लिए जमीन की मांग कर रहा था। आरोप है कि सुबह इसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी। उनके बड़े पुत्र ने उन्हें धक्का दे दिया और बेहोश हो गए। आनन-फानन में उन्हें मेडिकल कालेज ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रात को शव घर पहुंचने पर उनके पुत्र अरविंद ने पुलिस को घटना की सूचना दी। उसके बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी जगतराम कन्नौजिया का कहना है कि अधिक उम्र के कारण उनको हर्ट अटैक हो गया था।

जिसके कारण उनकी मौत हो गई। वैसे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। हत्या का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी ने तिवारीपुर थाना क्षेत्र के इलाहीबाग निवासी अभियुक्त कमालुद्दीन, निजामुद्दीन, मुन्नन, अजीज, बहरामपुर निवासी नसीरुद्दीन उर्फ नसरुद्दीन, पिपरापुर भट्ठा निवासी जुबेर व महराजगंज जिले के निचलौल थाना क्षेत्र के टोंगरी निवासी आदिल को आजीवन कारावास एवं प्रत्येक को 14 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्तों को चार माह का कारावास अलग से भुगतना होगा। अर्थदंड जमा होने पर उसमें से आधी धनराशि मृतक की पत्नी गौतमी को भुगतान की जाएगी।

अभियोजन पक्ष की ओर से जिला शासकीय अधिवक्ता यश पाल सिंह एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता जयनाथ यादव का कहना था कि वादिनी गौतमी तिवारीपुर थाना क्षेत्र के मुहल्ला इलाहीबाग की निवासी है। उसके पति रवि कुमार निषाद दो जुलाई 2019 को शाम करीब 7.30 बजे दरवाजा लेने लालडिग्गी गए थे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ छात्रावास का आवंटन, 10 दिनों में जमा करनी होगी फीस

गोरखपुर (एजेंसी) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के महारानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में आवंटन प्रारंभ है। वार्डन प्रो.सुनीता मुर्मू ने बताया कि स्नातक तृतीय वर्ष की छात्राएं पुनः आवंटन के लिए 10 दिन में फीस जाम कर दें, अन्यथा उनका

आवंटन निरस्त माना जाएगा। एलएलबी तृतीय सेमेस्टर, बीए, बीएससी बीकाम की द्वितीय वर्ष की आवंटन की प्रथम सूची जारी कर दी गई है। चयनित छात्राएं पोर्टल खुलने के 10 दिन के अंदर फीस जमा कर दें। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए सीबीसीएस (%वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम) तथा बीएड सीबीसीएस पाठ्यक्रम पर आधारित अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को एमपी परिसर स्थित शिक्षा शास्त्र विभाग में किया गया है। जो सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक दो सत्रों में आयोजित होगा। यह जानकारी विभागाध्यक्ष व अधिष्ठाता शिक्षा शास्त्र विभाग प्रो.शोभा गौड़ ने दी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों के प्राचार्यों से अनुरोध है कि वह अभिविन्यास कार्यक्रम में दो शिक्षकों की प्रतिभागिता सुनिश्चित कराएं। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में चयनित नए शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के यूजीसी एचआरडीसी केंद्र के तत्वावधान में फैकेल्टी इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन गुरुवार से किया जा रहा है। एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के लगभग चार दर्जन शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। यूजीसी एचआरडीसी के निदेशक प्रो.रजनीकांत पांडेय ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 11 बजे आनलाइन किया जाएगा। मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रो.कपिल देव मिश्रा होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो.राजेश सिंह करेंगे। कार्यक्रम समन्वयक व अंग्रेजी विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो.अजय कुमार शुक्ला ने बताया कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को शिक्षण के नए आयामों से परिचय कराया जाता है।

चार चरणों में होगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण, सर्वाधिक एयर कनेक्टिविटी वाला राज्य उत्तर प्रदेश

लखनऊ (एजेंसी) देश की सर्वाधिक एयर कनेक्टिविटी वाले राज्य बनने की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश में एशिया का सबसे बड़ा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट गौतम बुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा के जेवर में बनेगा। विशाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण चार चरणों में होगा और 2023-24 से इसका संचालन प्रारंभ हो जाएगा। गौतम बुद्ध नगर जिले के ग्रेटर नोएडा के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भी औद्योगिक गतिविधियां और सर्विस सेक्टर का बड़ा केन्द्र बनेगा। इसके निर्माण का पहला चरण 2023-24 में पूरा होगा। 2024 में जेवर इंटनरनेशल एयरपोर्ट ऑपरेशनल हो जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण चार चरणों में किया जाएगा।

एयरपोर्ट निर्माण में करीब 30 हजार करोड़ रुपये की खर्च होंगे। प्रथम चरण में एयरपोर्ट 2023-24 में शुरू किया जाएगा। इसकी क्षमता प्रतिवर्ष 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की वार्षिक की होगी। दूसरे चरण में 2031 तक एयरपोर्ट की यात्री क्षमता तीन करोड़ की जाएगी। 2036 में इसकी क्षमता पांच करोड़ और 2040 में सात करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता का होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए 1,334 हेक्टयर (करीब 3,300 एकड़) भूमि का अधिग्रहण किया गया है। पहले फेज में एयरपोर्ट को 1300 हेक्टेयर जमीन पर 10,050 करोड़ रुपये की लागत से 2024 तक तैयार किया जाएगा। पहले फेज के पूरा होने पर नोएडा एयरपोर्ट की क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी।

इसके निर्माण के लिए ग्लोबल टेंडर के जरिये एटरपोर्ट निर्माण का कार्य स्विट्जरलैंड की ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी को दिया गया है। उत्तर प्रदेश अगले तीन वर्षों के अंदर देश के सबसे प्रमुख विमानन केन्द्र के तौर पर स्थापित हो जाएगा। उस समय तक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भारत का आधुनिकतम ग्रीनफील्ड (नया बनने वाला) एयरपोर्ट होगा। इसके अलावा राज्य में उस समय तक 16 अन्य एयरपोर्ट परिचालन में होंगे। एक तरह से यह देश में हवाई मार्गो से सबसे ज्यादा कनेक्टेड रहने वाला राज्य होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब दिल्ली में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद एनसीआर क्षेत्र में दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। नोएडा एयरपोर्ट के बनने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़ आगरा, दिल्ली, फरीदाबाद और आसपास के शहरों के लोगों को सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा।

उत्तर प्रदेश में अभी लखनऊ, वाराणसी तथा कुशीनगर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। इसके साथ ही साथ आगरा, कानपुर, गोरखपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद के हिंडन तथा बरेली से भी घरेलू उड़ान का संचालन हो रहा है। अब 2022 में अलीगढ़, चित्रकूट, आजमगढ़, मुरादाबाद और श्रावस्ती में हवाई अड्डे तैयार हो जाएंगे। इसके बाद वर्ष 2023 में मुरपुर (सोनभद्र) और अयोध्या में एयरपोर्ट तैयार होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 5,845 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा।

युवती से दुष्कर्म में जौनपुर में तैनात इंस्पेक्टर की सेवा समाप्त, अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी ने जारी किया आदेश

वाराणसी (एजेंसी) वर्तमान में जौनपुर में तैनात दुष्कर्म के आरोपित इंस्पेक्टर अमित कुमार को पुलिस सेवा से अपर पुलिस आयुक्त सुभाष चन्द्र दुबे ने सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया है। इस बाबत जारी रिपोर्ट में अपर पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय कमिश्नरेट वाराणसी ने बताया कि आरोपित अमित कुमार द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण आधारहीन, तथ्यहीन, असत्य, निराधार और बलहीन पाए जाने पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की नियमावली के अनुरूप पदच्युति का आदेश पारित कर दिया गया है। इस आशय की सूचना से अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना, पुलिस उप महानिरीक्षक स्थापना, जौनपुर पुलिस अधीक्षक, आरोपित के मेरठ निवास, मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और प्रतिसार निरीक्षक पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी को भी इस सूचना जारी कर दी गई है।

दरअसल मथुरा निवासी (वर्तमान निवासी फरीदाबाद हरियाणा) की एक युवती ने वाराणसी में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर अमित कुमार के खिलाफ वाराणसी पुलिस को शिकायत किया था कि उसने युवती के साथ छल पूर्वक शादी का झांसा देकर अनैतिक संबंध और दुराचार के साथ मारपीट और वीडियो बनाकर वायरल करने जैसे काम किए हैं। मामले की जानकारी होने के बाद युवती की शिकायत के आधार पर वाराणसी पुलिस ने मुकदमा कायम करने के साथ 31 मई 2020 को दिनेश कुमार सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक वाराणसी को जांच सौंपी गई थी। उनके गैर जनपद स्थानांतरण के बाद 16 जून को विकास चंद्र त्रिपाठी, नगर पुलिस अधीक्षक ने भी जांच की। जांच में पाया गया कि आरोपित अमित कुमार के द्वारा अनैतिक कार्य करते हुए पुलिस विभाग की छवि को भी धूमिल करने का आरोपित पाया गया। आरोपित पर फर्जीवाड़े का भी आरोप : आरोपित की पत्नी मीनाक्षी भी पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल है।

उसने भी पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया तो मामले की जांच में सभी आरोप सही पाए गए। आरोप के अनुसार वह जालसाजी करके सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर के पद पर प्रमोट हुआ था। इसके बाद आरोपित का डिमोशन करते हुए उसे सब इंस्पेक्टर बना दिया गया था। युवती ने 8 जनवरी 2020 को वाराणसी के महिला थाने में अमित के खिलाफ तहरीर दी थी। पीड़िता ने तत्कालीन एसएसपी से शिकायत की थी कि अमित उस पर समझौता करने का दबाव बनाता है और बात न मानने पर उसकी हत्या की धमकी देता है। इसे लेकर तत्कालीन एसएसपी के आदेश पर कैंट थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

इससे नाराज होकर अमित कुमार एसएसपी कैंप कार्यालय में खुद पर पेट्रोल डाल कर आत्मदाह की धमकी दी थी। इसके बाद तत्कालीन आइजी रेंज के आदेश से अमित का तबादला जौनपुर जिले में कर दिया गया था। तबसे वह जौनपुर जिले में ही कार्यरत था। पुलिस कमिश्नरेट ने की कार्रवाई : जांच रिपोर्ट में पाया गया कि आरोपित अमित कुमार शादी शुदा होने के बावजूद भी युवती के संपर्क में रहा और अनैतिक कार्यों में लिप्त रहा। युवती के आरोप सत्य पाए गए और आरोपित पर अकर्मण्यता, अनुशासनहीनता, लापरवाही और कर्तव्यों के विपरीत कार्य से पुलिस विभाग की छवि धूमिल हुई है।

इस बाबत 25 सितंबर को जांचोपरांत आरोपित के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। अमित कुमार की उप निरीक्षक के पद पर पुलिस विभाग में नियुक्ति 2001 में हुई थी और उसकी वर्तमान में तैनाती जौनपुर जनपद में है। इस मामले में आरोपित को न्यायालय से जमानत भी मिली थी लेकिन विभाग की ओर से उसे अपराध मुक्त न होने से कार्रवाई का क्रम जारी रहा। लिहाजा न्यायिक और विभागीय कार्रवाई के क्रम में आरोपित के खिलाफ आखिरकार कार्रवाई करते हुए नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।

सीएम योगी के गढ़ को भेदने में जुटी सपा, गोरखपुर की नौ सीटों पर 95 ने की दावेदारी

गोरखपुर (एजेंसी) सूबे में सत्तासीन भाजपा से दो-दो हाथ करने के लिए सपाइयों ने जोर-आजमाइश शुरू कर दी है। गोरखपुर की नौ विधानसभा सीटों पर 95 लोगों ने साइकिल की सवारी के लिए दावेदारी पेश की है।

उधर, पार्टी जातिगत समीकरण और जनाधार को टिकट का आधार बनाने की तैयारी में है, जिसके लिए दावेदारों की कुंडली राजधानी पहुंच गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने स्वयं प्रदेश की सभी सीटों का गोपनीय सर्वे कराया है, जिसके आधार पर प्रत्याशियों का टिकट फाइनल होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में किसी भी सीट पर जीत का खाता न खोल पाने वाली सपा इस बार नए जोश और उत्साह के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। पार्टी का टिकट पाने के लिए आवेदन की प्रक्रिया अंतिम दौर में है।

युवा से लेकर अनुभवी कार्यकर्ता विधानसभा जाने के लिए पार्टी का सिंबल पाने के जुगाड़ में है। कोई पांच साल के कार्य गिना रहा है तो कोई सालों पुरानी निष्ठा की दुहाई दे रहा है। कई युवा क्षेत्र में अपने जनाधार के आधार पर पार्टी का टिकट चाह रहे हैं। उधर पार्टी नेतृत्व इस बार जुगाड़ के सहारे टिकट चाहने वालों को निराश करने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वयं हर विधानसभा का दो-तीन राउंड का सर्वे कराया है, जिसकी रिपोर्ट के बारे में किसी को भनक तक नहीं है।

ऐसे में सिर्फ जनाधार और समीकरण में फिट बैठने वाले ही पार्टी की प्रत्याशिता पाएंगे। पार्टी कार्यालय पर अब तक जितने आवेदन आए हैं उनमें सर्वाधिक संख्या चौरीचौरा की है। यहां से 21 लोगों ने टिकट लिए आवेदन किया है। गोरखपुर शहर सीट से 16, खजनी से 12, गोरखपुर ग्रामीण से 09, सहजनवां से 07 जबकि कैम्पियरगंज, पिपराइच और बांसगांव से छह-छह लोगों ने टिकट के लिए आवेदन किया है। टिकट के लिए आवेदन करने वालों में पार्टी के वर्तमान से लेकर पूर्व पदाधिकारी तक शामिल हैं।

कई पूर्व विधायकों ने भी दावेदारी की है तो कई ऐसे हैं जो पिछली बार सपा या किसी अन्य दल के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। विधानसभा क्षेत्रों से टिकट के लिए अब तक जितने भी आवेदन आए हैं, सभी को पार्टी कार्यालय पर भेजा जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशन में टिकट पर निर्णय होगा।

लखनऊ में मुलायम सिंह यादव से मिले कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, भेंट के बाद दी सफाई

लखनऊ (एजेंसी) मुलायम सिंह यादव तथा अखिलेश यादव सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे प्रतापगढ़ के कुंडा से निर्दलीय विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के संरक्षक से लखनऊ में भेंट की। विधायक के रूप में 25 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद अपनी पार्टी जनसत्ता दल राजनैतिक का गठन करने वाले राजा भैया ने आज मुलायम सिंह यादव से भेंट के बाद अपनी सफाई भी दी। लखनऊ में गुरुवार को प्रतापगढ़ के कुंडा से निर्दलीय विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। करीब आधा घंटा की इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि इस मुलाकात को चुनाव से जोड़कर न देखा जाए। इसके कोई दूसरे निहितार्थ भी न निकाले जाएं।

विधायक रघुराज प्रताप सिंह ने कहा कि वह हमेशा समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह के जन्मदिन पर उनसे मिलकर शुभकामनाएं देते रहे हैं। वह इस बार लखनऊ से बाहर होने के कारण जन्मदिन पर शुभकामनाएं नहीं दे पाया था। इसी कारण आज मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। इस मुलाकात के बाद राजा भैया ने ट्वीट भी किया है। अपनी दबंगई के कारण विख्यात रघुराज प्रताप सिंह प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीट पर चुनाव लडऩे की तैयारी में हैं। बीते दिनों अपनी पार्टी की रथ यात्रा भी शुरू की है।

यूपी में सीधी भर्ती प्रक्रिया से होगी नियुक्तियां, शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक पदों के सृजन का शासनादेश जारी

लखनऊ (एजेंसी) शासन ने लखनऊ के पिपरसंड में निर्माणाधीन यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फोरेंसिक साइंसेज के संचालन के लिए निदेशक समेत शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक संवर्ग के 131 पदों का सृजन कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुलिस विवेचना में वैज्ञानिक साक्ष्यों की भूमिका बढ़ाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी कड़ी में इंस्टीट्यूट के पदों का सृजन कर भर्ती के लिए नियमावली बनाने का निर्देश दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक अगस्त को इस इंस्टीट्यूट का शिलान्यास किया था। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि इंस्टीट्यूट के लिए शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक संवर्ग के कुल 131 पदों का सृजन किया गया है, जिसका शासनादेश जारी कर दिया गया है। इन पदों पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर तथा सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्तियां होंगी। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फोरेंसिक साइंसेज के संचालन के लिए निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, प्रशासनिक अधिकारी, वित्त अधिकारी, पुस्तकालय सहायक, लेखाधिकारी, अकाउंटेंट, कैंपस सुपरवाइजर व सुरक्षा अधिकारी के एक-एक पद सृजित किये गये हैं।

जबकि उप निदेशक, सहायक लेखाधिकारी, कंप्यूटर प्रोग्रामर के दो-दो पद सृजित किये गये हैं। इसके अलावा असिस्टेंट रजिस्ट्रार के पांच, प्रोफेसर के तीन, एसोसिएट प्रोफेसर के छह, असिस्टेंट प्रोफेसर के 16, वैज्ञानिक अधिकारी के पांच, वैज्ञानिक सहायक के छह, वरिष्ठ सहायक के आठ, कनिष्ठ सहायक के 16, प्रयोगशाला सहायक के 14, स्टैनो के चार, कंप्यूटर आपरेटर के तीन, रिकार्ड कीपर के चार पदों का सृजन किया गया है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति के लिए गांधीनगर (गुजरात) स्थित राष्ट्रीय विधि विज्ञान विश्वविद्यालय के मानक के आधार पर शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक संवर्ग की नियमावली तैयार कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

मिल गया पानी बचाने वाला बैक्टीरिया, घटेगा सिंचाई का खर्च और ईंधन की भी होगी बचत

वाराणसी (एजेंसी) खेतों की सिंचाई के दौरान अधिक पानी का प्रयोग करना पड़ता है। कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में फसलों का उत्पादन भी प्रभावित होता है। पानी बचाने के लिए खेतों में कोई उपाय नहीं होता था। लेकिन, अब कृषि विज्ञानियों ने उस बैक्टीरिया को खोज निकाला है जो पौधों में पानी के उपयोग को नियंत्रित कर सकता है।

प्रयोग के परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। दरअसल बीजों के उपचार के दौरान ही इस बैक्टीरिया का प्रयोग होने से खेतों में नमी मिलती रहेगी। इसकी वजह से गेहूं और सरसों के खेतों में सिंचाई पर कम ध्यान देना पड़ेगा। इसका प्रयोग करने से किसानों की खेती में लागत भी काफी कम हो सकती है। विज्ञानियों ने एक ऐसे जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज की है जो कृषि क्षेत्र में ऊर्जा, जल और अर्थ प्रबंधन को बदलकर रख देगा। इस बैक्टीरिया से गेहूं और सरसों के बीज को उपचारित कर बोआई करने के बाद उन्हें यह इतनी शक्ति प्रदान कर देता है कि सरसों को महज नमी मिलती रहे तो सिंचाई करने की आवश्यकता ही नहीं होगी। वहीं, गेहूं की फसल को तीन के बजाय दो सिंचाई की जरूरत रह जाएगी। इससे सिंचाई का खर्च तो घटेगा ही, ईंधन (डीजल-बिजली) की भी बचत होगी। खेती में लगातार सिंचाई के लिए बढ़ती जा रही लागत और पाताल भागते पानी की वजहों से खेती के लिए भी कई इलाके सूखे की चपेट में आ रहे हैं। मानसून पर अधिक निर्भरता से बचने के साथ ही जमीन से पानी निकालने के लिए बोरवेल भी काफी लगने

से कई इलाकों में सूखे का खतरा बढ़ रहा है। पूर्वांचल में भी खेती के लिए सिंचाई की जरूरत काफी होती है। वहीं मानसूनी बरसात में कमी आने की वजह से फसल खराब होने की संभावना अधिक रहती है। पूर्वांचल में धान की खेती अधिक होती है और धान की खेती में पानी का अधिक प्रयोग होता है। मगर अभी सभी प्रकार के फसलों पर इसके प्रयोग और लाभ को लेकर विज्ञानी इंतजार कर रहे हैं। सिचाई में इस्तेमाल हो रहा पीने योग्य बहुमूल्य पानी भी बचाया जा सकेगा।

राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो के विज्ञानियों ने यह बैक्टीरिया उच्च लवण सांद्रता वाले क्षेत्रों से प्राप्त किया है। यह बैक्टीरिया फसल को मुरझाने या सूखने नहीं देता। ब्यूरो के प्रधान विज्ञानी डा. आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि अब इस बैक्टीरिया के उपयोग से सूखाग्रस्त क्षेत्रों में फसल उगाने की तकनीक पर काम किया जा रहा है। अन्य फसलों के जल प्रबंधन पर पडऩे वाले इसके प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने बैक्टीरिया पर अपना शोधपत्र बीएचयू में हाल ही में हुई 15वीं कृषि कांग्रेस में प्रस्तुत किया था। पूर्वांचल में व्यापक लाभ = पूर्वांचल में चंदौली, मीरजापुर और सोनभद्र जैसे पहाड़ी जिलों में खेती किसानी की बड़ी चुनौती हो रही है। यहां नहरों का व्यापक जाल भी नहीं है और जमीन से पानी निकालने की चुनौती भी काफी होती है।

ऐसे में पानी बचाने वाले बैक्टीरिया के प्रयोग से यहां पर सिंचाई को लेकर काफी राहत मिलना तय है। हालांकि, इसके व्यापक स्तर पर औद्योगिक प्रयोग जैसी संभवनाओं के जमीन पर उतरने में समय है। फिलहाल पानी बचत की संकल्पना को लेकर हो रहे प्रयोग के सफल होने पर भविष्य में जल संरक्षण में भी सहूलियत मिलना तय है।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए निर्माण और ध्वस्तीकरण कार्यों पर रोक रहेगी : गोपाल राय

निर्माण कार्यों के अलावा प्लम्बिंग, इंटीरियर डेकोरेशन, इलेक्ट्रिक और कारपेंटर जैसे कार्यों की अनुमति रहेगी : गोपाल राय

केजरीवाल सरकार हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं, अगर पहले से प्रदूषण की स्थिति खराब होती है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई करेंगे : गोपाल राय

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़े प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने निर्माण और ध्वस्तीकरण गतिविधियों पर रोक लगा दी है। इस संबंध में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि निर्माण व ध्वस्तीकरण के अलावा प्लम्बिंग, इंटीरियर डेकोरेशन, इलेक्ट्रिक और कारपेंटर जैसे कार्यों की अनुमति रहेगी। दिल्ली सरकार हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अगर पहले से प्रदूषण की स्थिति खराब होती है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई करेंगे। दिल्ली सरकार निर्माण कार्य से जुड़े मजदूरों को आर्थिक सहायता देगी। इस संबंध में श्रम विभाग रूपरेखा तैयार कर रहा है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए विशेष बस सेवा शुरू की जाएगी और दफ्तर से करीब वाले आईटीओ और इंद्रप्रस्थ जैसे मेट्रो स्टेशनों से शटल बस सेवा भी शुरू करेंगे। खड़े होकर सफर की अनुमति मिलने के बाद मेट्रो और बसों की यात्री क्षमता में 50 फीसद की बढ़ोत्तरी हो गई है।

लोगों से अपील है कि सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिले। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज वायु प्रदूषण के मुद्दे पर कहा कि पिछले तीन-चार दिनों से प्रदूषण का स्तर कम हो रहा था, लेकिन आज फिर से प्रदूषण के स्तर में बढ़ोत्तरी दिख रही है। इसी के मद्देनजर कल सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया है। इसे देखते हुए दिल्ली के अंदर सभी निर्माण और ध्वस्तीकरण गतिविधियों पर रोक लगाई जा रही है। इसमें

प्लम्बिंग, इंटीरियर डेकोरेशन, इलेक्ट्रिक और कारपेंटर का कार्य करने की अनुमति रहेगी। पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के अंदर प्रदूषण के स्तर में सुधार हो रहा था। दिल्ली के अंदर विकास कार्य भी जरूरी है। अगर प्रदूषण स्तर में सुधार होता है, तो हम निर्माण गतिविधियों को भी खोलेंगे। हम हर परिस्थिति से निपटने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। अगर पहले से प्रदूषण की स्थिति खराब होती हैं, तो उस पर कार्रवाई भी करेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में करीब एक सप्ताह तक निर्माण कार्य बंद था। इससे निर्माण कार्यों में लगे मजदूरों को काफी दिक्कतें हो रही थी। दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को दिल्ली सरकार आर्थिक सहायता भी प्रदान करेगी। इसके लिए श्रम विभाग के साथ मिलकर इसके लिए हम रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। दिल्ली की सभी सरकारी एजेंसियों पीडब्ल्यूडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, सभी एमसीडी और डीएसआईआईडीसी, सीपीडब्ल्यूडी आदि को कोर्ट के आदेश का तत्काल प्रभाव से सूचना दे दी गई है। साथ ही, प्राइवेट निर्माण एजेंसियों तक यह सूचना पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से गठित सभी टीमों को निर्देशित किया गया है। साथ ही इन पर हम निगरानी भी रखेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि जितने सरकारी कर्मचारी हैं और वे सरकारी कालोनियों में रहते हैं, तो हम इनके लिए विशेष बस सेवा शुरू करेंगे। जैसे गुलाबी बाग कालोनी, तिमारपुर समेत जहां पर बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी रहते हैं, उनके लिए यह सुविधा शुरू करेंगे। यहां पर हायर की गई प्राइवेट सीएनजी बसों को लगाएंगे। इसके अलावा, आईटीओ, आईपी मेट्रो स्टेशनों के लिए भी हम शटल बस सेवा शुरू करेंगे, ताकि लोग यहां तक मेट्रो से आएं और इसके बाद सुविधाजनक तरीके से लोग अपने दफ्तर तक पहुंच जाएं। दूसरा, जिन कालोनियों में सरकारी कर्मचारी रहते हैं, वहां से सीधे उनके दफ्तरों तक के लिए बस सेवा शुरू करेंगे। जिससे वे लोग दफ्तर आ सकें और वे अपनी निजी गाड़ियों से दफ्तर न आएं। मेट्रो और बस के अंदर भी अब खड़े होकर सफर करने की अनुमति दे दी गई है। इसलिए लोग सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, जिससे कि हम लोग मिलकर प्रदूषण को नियंत्रित कर सकें।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आगे कहा कि प्राइवेट सीएनजी बसें हायर की जा चुकी हैं और सभी सड़क पर चल भी रही हैं। बसों के फेरे बढ़ाने के लिए गोदाम में रखीं बसों को बाहर निकाल दिया गया है। कोरोना की वजह से बस और मेट्रो में खड़े होकर सफर करने पर रोक थी और लोग खड़े होकर इसमें नहीं चल पा रहे थे। लेकिन अब बस में 17 और मेट्रो के प्रति कोच में 30 लोगों को खड़े होकर सफर करने की अनुमति दे दी गई है। इससे बस और मेट्रो में करीब 50 फीसद यात्री क्षमता बढ़ गई है। सभी लोगों से अपील है कि मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठा रही है।

एक नज़र

देशभर के हजारों लोगों से करोड़ों रुपये की आनलाइन ठगी करने वाले 12 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने देशभर में हजारों लोगों से आनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के 12 आरोपितों को झारखंड, बंगाल और बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि गिरोह देशभर में हजारों लोगों को ठग चुका है। पुलिस ने आरोपितों से 26 मोबाइल फोन, 156 सिमकार्ड, लैपटाप और 111 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। साथ ही आरोपितों के 111 बैंक खातों को फ्रीज भी कर दिया गया है। इन खातों में करोड़ों रुपये के लेनदेन का पता चला है। ठगी के लिए गिरोह के अलग-अलग राज्यों में माड्यूल थे।

साइबर सेल के पुलिस उपायुक्त केपीएस मल्होत्र ने बताया कि कुछ दिन पहले बी. पाल नामक शख्स ने साइबर ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि उनका खाता एक सरकारी बैंक में है। चेक संबंधी कुछ जानकारी के लिए उन्होंने गूगल से बैंक का कस्टमर केयर नंबर लेने का प्रयास किया। इस दौरान उन्हें एक नंबर मिला जिस पर बात करने वाले शख्स ने खुद को बैंक का प्रतिनिधि बताकर पीड़ित को बैंक की वेबसाइट से मिलता-जुलता एक लिंक भेजा। आरोपितों के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए लिंक डाउनलोड करते ही उनका मोबाइल हैक हो गया।

इसके बाद उनके खाते से 27.10 लाख रुपये निकल गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आठ जुलाई को मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो पता चला है कि बी. पाल के खाते से आठ अलग-अलग खातों में रुपये ट्रांसफर हुए थे। जांच के क्रम में पुलिस ने पहले सितंबर में छापेमारी करते हुए छह आरोपितों- मुहम्मद मुजाहिद अंसारी, आफिस अंसारी, गुलाब अंसारी, शाहनवाज अंसारी, बहारुद्दीन अंसारी और बसरुद्दीन अंसारी को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया। सभी आरोपित टेलीकालर का काम करते थे।

दिल्ली के द्वारका में अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन की खेप बरामद, विदेशी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) द्वारका जिला पुलिस ने हेरोइन की बड़ी खेप बरामद करते हुए एक अफ्रीकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की निशानदेही पर करीब 11 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई है। जिला पुलिस की तरफ से यह अब तक हेरोइन की सबसे बड़ी बरामदगी बताई जा रही है। मादक पदार्थ से जुड़े मामले में अफ्रीकी देशों के नागरिकों की संलिप्तता को देखते हुए द्वारका पुलिस अवैध रूप से रह रहे अफ्रीकी नागरिकों को उनके मूल देश डिपोर्ट करने को लेकर अभियान भी चला रही है।

पिछले दो महीने में करीब 250 अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, शास्त्री पार्क इलाके में बदमाशों ने पिस्टल के बल पर एक कारोबारी से 14.5 लाख रुपये लूट लिए। लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने कारोबारी व उनके साथी पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित की स्कूटी लेकर बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया। पीड़ित अनिल कुमार उर्फ कालू के बयान पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। अनिल कुमार उर्फ कालू परिवार के साथ मानसरोवर पार्क इलाके में रहते हैं। कश्मीरी गेट इलाके में उनका खोए का काम है। वह दो फीसदी कमिशन पर अन्य राज्यों के कारोबारियों द्वारा बेचे हुए खोए के रुपये की भी वसूली करते हैं।

वह अपने पड़ोसी विशाल के साथ स्कूटी से कश्मीरी गेट जा रहे थे, कारोबारियों को भुगतान करने के लिए उन्होंने स्कूटी की डिग्गी में 14.5 लाख रुपये रखे हुए थे। जब वह शाहदरा जीटी रोड से होते शास्त्री पार्क फ्लाईओवर के पास पहुंचे, तभी पीछे से एक मोटरसाइकिल पर तीन बदमाश आए और उन्हें रोकने का प्रयास किया, पीड़ित को कुछ गलत होने का शक हुआ और उन्होंने स्कूटी की रफ्तार तेज कर दी। बदमाशों ने पीछा करते हुए मोटरसाइकिल से उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही दोनों स्कूटी समेत नीचे गिर गए।

दिल्ली में आया हैरान करने वाला मामला, कोर्ट से जमानत मिलने पर फिर बनाया वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी) वीडियो जारी करके अपनी गिरफ्तारी को झूठा बताने वाले जालसाजी के आरोपितों का सच सामने आ गया है। 10 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोपित मनोज द्विवेदी (चंद्रलोक कालोनी, अलीगंज, लखनऊ), उमेश आजाद (अमानीगंज, लखनऊ) व ऋषि अरोड़ा (न्यू बेरी रोड, लखनऊ) को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सोमवार 22 नवंबर को गिरफ्तार किया था।

तीनों सोमवार दोपहर दो बजे ईओडब्ल्यू के दफ्तर पहुंचे थे, जिनसे पूछताछ के बाद पुलिस ने कार्रवाई की थी। आरोपितों के अधिवक्ता तकरीबन डेढ़ घंटे बाद ईओडब्ल्यू पहुंचे और अग्रिम जमानत के कागजात दिखाए। शाम सवा पांच बजे उन कागजों के आधार पर तीनों आरोपितों को दिल्ली पुलिस ने छोड़ दिया। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को जालसाजी के आरोपितों की गिरफ्तारी का ब्योरा मीडिया से साझा किया, जिसके बाद बुधवार को गिरफ्तारी की खबर मीडिया में प्रकाशित हुई।

गिरफ्तारी की खबर वायरल होने के बाद धोखाधड़ी के आरोपित मनोज द्विवेदी ने बुधवार सुबह इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो डाला। मनोज ने 18 सेकेंड का वीडियो बनाकर कहा कि मीडिया में खबर चल रही है कि श्री कालोनाइजर्स के तीन निदेशक 10 करोड़ की ठगी में गिरफ्तार किए गए हैं। मैं आप सबको बताना चाहता हूं कि मैं अपने घर में हूं। कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। आप लोग विचलित न हों। धैर्य रखें, संयम बनाकर रखें। यह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की गंदी चाल है। इसको समझने का प्रयास करें और अपने संयम को न खोएं। मनोज का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस से संपर्क कर पूरे मामले की पड़ताल की गई।

भाजपा सांसद गौतम गंभीर को कश्मीर से दूर रहने की चेतावनी, 17 घंटे में दो बार मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी) सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। 17 घंटे के अंतराल में दो बार उन्हें और उनके परिवार को मारने की धमकी दी गई है। आइएसआइएस, कश्मीर नाम की आइडी से भेजी गई ईमेल में उन्हें राजनीति और कश्मीर मुद्दे से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। इस संबंध में गौतम गंभीर के निजी सचिव गौरव अरोड़ा ने सेंट्रल दिल्ली पुलिस उपायुक्त श्वेता चौहान को शिकायत दी है।

इसके बाद गंभीर के राजेंद्र नगर स्थित आवास पर सुरक्षा में पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। गंभीर की सुरक्षा में एक पुलिसकर्मी की तैनाती पहले से है। पुलिस उपायुक्त श्वेता चौहान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं गंभीर की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पूर्वी दिल्ली के भाजपा सांसद गौतम गंभीर को पहली धमकी मंगलवार रात 9:26 बजे उनकी ईमेल आइडी पर मिली। इसमें सिर्फ एक लाइन लिखी हुई थी कि हम तुम्हें और तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे। ईमेल आने के तुरंत बाद शिकायत पुलिस में दे दी गई। पुलिस मामले की जांच कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही थी कि ईमेल कहां से भेजी गई? इसी दौरान बुधवार दोपहर 2:32 बजे दूसरी बार धमकी आ गई। इसमें गौतम गंभीर के घर का छह सेकेंड का वीडियो भी था। इसमें भेजने वाले ने अंग्रेजी में लिखा कि हम तुम्हें मारना चाहते थे लेकिन कल तुम बच गए। अगर तुम अपने परिवार की जिंदगी से प्यार करते हो तो राजनीति और कश्मीर मुद्दे से दूर रहो।

बता दें कि गौतम गंभीर राष्ट्रवाद और सीमा की सुरक्षा को लेकर मुखर रहते हैं। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को अपना बड़ा भाई बताने पर उन्होंने पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पर तंज कसा था। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि आप अपने बच्चों को सीमा पर भेजिये, इसके बाद आतंकवादी देश के मुखिया को अपना बड़ा भाई बताइए।

कंगना रनौत को दिल्ली विधानसभा की समिति ने किया तलब, 6 दिसंबर को होना होगा पेश

शांति और सद्भाव संबंधी समिति ने अभिनेत्री कंगना रनौत को समिति के समक्ष पेश होने के लिए समन जारी किया

समिति को अभिनेत्री के संबंध में कई शिकायतें मिलीं, उनके द्वारा आपत्तिजनक और अपमानजनक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट करने का पता चला है

शिकायतों में कहा गया है कि कंगना रनौत ने अपनी स्टोरी में सिख समुदाय को खालिस्तानी आतंकवादी करार दिया है

रणवीर गहलोत. ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा की शांति और सद्भाव समिति ने सांप्रदायिक वैमनस्य और घृणा के खिलाफ सख्त रुख अपना रखा है। विधायक राघव चड्ढा की अध्यक्षता में समिति, शांति को नुकसान पहुंचा सकने वाली किसी भी घटना को रोकने की दिशा में काम कर रही है। समिति को कंगना रनौत द्वारा अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट @kanganaranaut पर कथित रूप से अपमानजनक पोस्ट के बारे में कई शिकायतें मिली हैं। शिकायतकर्ताओं के अनुसार कंगना रनौत के इंस्टाग्राम अकाउंट की पहुंच काफी ज्यादा है। दुनिया भर में लगभग 80 लाख लोगों द्वारा इसका अनुसरण किया जा रहा है। कंगना ने अपनी पोस्ट से कथित तौर पर सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है जो कि समाज की शांति और सद्भाव को नुकसान पहुंचा सकती है। शिकायतों में कहा गया है कि कंगना रनौत ने कथित तौर पर सिख समुदाय को खालिस्तानी आतंकवादी करार दिया है। जिससे सिख समुदाय के लोगों का अपमान हुआ है। उनके मन में सुरक्षा, जीवन और स्वतंत्रता के बारे में आशंकाएं भी पैदा हुई हैं। कंगना रनौत ने 20 नवंबर 2021 को स्टोरी पोस्ट की थी। जिसमें लिखा था कि खालिस्तानी आतंकवादी आज सरकार का हाथ मरोड़ सकते हैं। लेकिन इन्हें नहीं भूलना चाहिए कि एक महिला ने इनको अपनी जूती के नीचे कुचला था। इसकी वजह से चाहे कितनी भी दिक्कतें क्यों न हुई हों लेकिन उसने अपनी जान की कीमत पर उन्हें मच्छरों की तरह कुचल दिया। लेकिन देश के टुकड़े नहीं होने दिए। उनकी मृत्यु के दशकों बाद भी ये आज उसके नाम से कांपते हैं। इन्हें वैसा ही गुरु चाहिए। शिकायतकर्ताओं के मुताबिक कंगना रनौत ने कथित रूप से पोस्ट से सिख समुदाय के लोगों की भावनाओं को बहुत आहत किया है। पूरे समुदाय का अनादर करने से दिल्ली में शांति और सद्भाव में व्यवधान की स्थिति पैदा हो सकती है। शिकायतकर्ता के अनुसार उसे सभी के सामने खालिस्तानी कहा जाता था। यह न केवल उसके लिए चौंकाने वाला था,?बल्कि उसके परिवार और खुद की सुरक्षा के बारे में उसके आशंकाएं भी पैदा करता था। शिकायतकर्ताओं ने समिति से इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने का अनुरोध किया है। इसके बाद शिकायतों की जांच करने और उठाए गए मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के बाद शांति और सद्भाव संबंधी समिति ने प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लिया। दिल्ली में इन सभी मुद्दों की गंभीरता को देखते हुए विधायक राघव चड्ढा की अध्यक्षता वाली शांति और सद्भाव समिति ने कंगना रनौत को पेश होने के लिए बुलाया है, ताकि वर्तमान मुद्दे पर अधिक व्यापक और बेहतर तरीके से विचार-विमर्श किया जा सके। समन जारी कर अभिनेत्री को 6 दिसंबर 2021 को दोपहर 12 बजे उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है।

गौरतलब है कि शांति और सद्भाव संबंधी समिति को उन स्थितियों और कारणों पर विचार करने का अधिकार है जो राष्ट्रीय राजधानी में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकते हैं। इसके अलावा आपसी सद्भाव स्थापित करने के लिए समिति ऐसे संकटों को रोकने और हालत से निपटने के उपाय सुझाती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे स्वीकार करते हुए समिति की अनुशंसात्मक शक्तियों को बरकरार रखा है, जिसका उपयोग बेहतर शासन के लिए किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अजीत मोहन और अन्य बनाम दिल्ली विधानसभा मामले में अपना फैसला दिया। जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि देश की राजधानी सांप्रदायिक हिंसा की किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं कर सकती है। इस प्रकार विभिन्न मुद्दों की जांच के माध्यम से शांति बहाली और निवारक उपाय करने के संबंध में समिति की चिंता नाजायज और गलत नहीं है।

मौजपुर मुख्य रोड पर शराब का ठेका खोलने पर कड़कड़डूमा कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी) मौजपुर मुख्य रोड पर शराब का ठेका खोलने पर कड़कड़डूमा कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। मौजपुर मार्केट शापकीपर वेलफेयर एसोसिएशन ने मंदिरों के सौ मीटर के दायरे में ठेका खोलने के लिए लाइसेंस देने को नियम का उल्लंघन बताते हुए कोर्ट में अर्जी दायर कर रोक लगाने की मांग की थी। दीवानी न्यायाधीश श्रुति शर्मा ने अर्जी पर मार्केट एसोसिएशन को अंतरिम राहत देते हुए अगली सुनवाई 29 नवंबर को तय कर दी है।

मौजपुर मार्केट शापकीपर वेलफेयर एसोसिएशन ने अर्जी दायर कर कोर्ट को अवगत कराया कि मौजपुर मुख्य रोड स्थित एक दुकान में शराब का ठेका खोलने के लिए आबकारी विभाग ने लाइसेंस दिया है। यह दुकान 1008 शांति नाथ दिगंबर जैन मंदिर के सौ मीटर के दायरे में है। इसके अलावा आसपास हनुमान मंदिर व स्कूल भी है। दिल्ली आबकारी नियमावली 2010 के तहत मंदिर के सौ मीटर के दायरे में शराब का ठेका खुलना नियम का उल्लंघन होगा। एसोसिएशन की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता निश्चय चौधरी ने हाथ से बना साइट प्लान भी कोर्ट के समक्ष पेश किया।

इस अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ठेका खोलने अंतरिम रोक लगाते हुए दूसरे पक्ष को नोटिस जारी कर दिया। कोर्ट ने एसोसिएशन के अधिवक्ता को निर्देश दिया है कि वह अगली सुनवाई पर अपने दावे के संबंध में उचित साइट प्लान प्रस्तुत करें। आवासीय क्षेत्र में शराब की दुकान खोलने के खिलाफ एक और याचिका हाई कोर्ट में दायर की गई है। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल व न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने दिल्ली सरकार, आबकारी आयुक्त और पूर्वी दिल्ली नगर निगम को नोटिस जारी कर सुनवाई 27 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। चंदर नगर के स्थानीय लोगों ने याचिका में कहा है कि जब से शराब की दुकान खोलने के बारे में पता चला है तो बच्चों के भविष्य और महिला सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

प्रस्तावित शराब की दुकान से नियमों का उल्लंघन हो रहा है। याचिका में कहा गया है कि दुकान निगम के प्राथमिक स्कूल से केवल 30 मीटर, दो मंदिरों से 60 मीटर और एक सरकारी औषधालय से 50 मीटर की दूरी पर प्रस्तावित है। याचिकाकर्ताओं ने शराब की दुकान खोलने से रोकने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की है।

आखिर कैसे दिल्ली नगर निगम चुनाव में कांग्रेस को हराएंगे कांग्रेसी

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी तो शुरू से ही रही है, अब बगावत भी जोर पकड़ रही है। खासकर जिन नेताओं को जंबो कार्यसमिति में जगह नहीं दी गई और जिन सात जिलाध्यक्षों को हटाया गया है, उनमें से ज्यादातर के मन में बदले की आग धधक रही है। इनकी शिकायत है कि मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष ने मान सम्मान तो उन्हें कभी दिया नहीं, अब उनका अपमान करने में भी कसर नहीं छोड़ी। इस अपमान को बर्दाश्त कतई नहीं किया जाएगा। कुछ ने तो ट्वीटर पर ही पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं तो कुछ बैठकें कर रणनीति बना रहे हैं।

कुछ नेताओं का कहना है कि जल्द ही दिल्ली के हालात से पार्टी सुप्रीमो सोनिया गांधी को भी अवगत कराया जाएगा। व्यक्तिगत स्तर पर समय मिला तो मिलकर अन्यथा पत्र भेजकर। इस सबसे इतना तो तय है कि दिल्ली नगर निगम चुनाव में भी कांग्रेस को अब कांग्रेसी ही हराएंगे। दिल्ली कांग्रेस इन दिनों हर विधानसभा क्षेत्र में पोल खोल यात्रा निकाल रही है। इसमें केंद्र की भाजपा और दिल्ली की आप सरकार की नाकामियों को उजागर किया जा रहा है। लेकिन कुछ ही दिन की यात्रा में पार्टी की अपनी ही पोल खुल गई है। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में इस यात्रा को स्थानीय समर्थन ही नहीं मिल रहा तो आधे समर्थक किराये पर मंगाए जा रहे हैं। ताजा उदाहरण हस्तसाल विधानसभा का है, जहां इस यात्रा में कई बार के विधायक मुकेश शर्मा को साथ ही नहीं लिया गया।

दिल्ली में गैस लीक की घटना से हड़कंप, 5 लोग ले जाए गए अस्पताल

नई दिल्ली (एजेंसी)

दक्षिण दिल्ली के रामकृष्णपुरम इलाके में गैस लीक होने के मामला सामने आया है। इसकी चपेट में आए कुछ लोगों को असप्ताल में भर्ती कराना पड़ा है, जहां पर सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। बुधवार रात को दक्षिण दिल्ली के आरकेपुरम इलाके में उस समय अफरातफरी मच गई, जब लोगों ने आंखों में जलन के साथ सांस लेने में परेशानी महसूस की।

बुधवार रात तकरीबन 9 बजे इस तरह की दिक्कत की शिकायत करने वाले कुछ लोगों तो बेहोश तक हो गए।उधर, आनन-फानन में मौके पर पहुंची दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा मोचन दल और दमकल कर्मियों ने कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया। यह पूरा मामला आरकेपुरम के एकता विहार का है। दिल्ली पुलिस की मानें तो सभी लोग आरके पुरम इलाके में स्थित एक झुग्गी बस्ती के निवासी

हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या लोग किसी गैस के संपर्क में आने से प्रभावित हुए थे क्योंकि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि किसी गैस सिलेंडर में आग नहीं लगी थी और क्षेत्र में कहीं से भी कोई धुआं नहीं निकला था। दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा कि बुधवार को हमें घटना की सूचना रात 9.20 बजे दी गई और तदनुसार दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। बताया गया कि कुछ गैस लीक हुई लेकिन रिसाव के स्रोत का पता नहीं चल सका। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उधर, पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पश्चिम) गौरव शर्मा ने कहा कि आंखों में खुजली की शिकायत करने वाले पांच लोगों को सफदरजंग अस्पताल भेजा गया। सभी सुरक्षित और सामान्य हैं। पुलिस ने कहा कि अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उधर, पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर इलाके में एक तीन मंजिला बिल्डिंग में बनी कपड़े की फैक्टरी में बुधवार रात अचानक आग लग गई। आग पहली मंजिल पर लगी, आग के वक्त एक कर्मचारी फैक्टरी में सो रहा था। कर्मचारी को इतना मौका भी नहीं मिला कि वह बाहर भागकर अपनी जान बचा ले।

सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, कर्मचारी को अचेत हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान संजू के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आग के कारणों का पता लगा रही है।

स्कूल खोलने की तैयारियों ने तेज की जिला प्रशासन की धड़कनें

नई दिल्ली (एजेंसी)

कोरोना महामारी के कारण करीब डेढ़ साल तक बंद रहे स्कूल अब सोमवार से खुलने जा रहे हैं। इस बात से विद्यार्थियों के चेहरे पर जहां उत्साह नजर आता है तो वहीं प्रशासन के माथे पर चिंता की लकीरें खींच चुकी हैं। प्रशासनिक अधिकारी उलझन में हैं कि अगर नियमित रूप से स्कूल खुलते हैं तो वहां चल रहे टीकाकरण केंद्रों को कहां स्थानांतरित किया जाएगा? हालांकि, अधिकारियों ने जगह की तलाश का अभियान तेज कर दिया और कुछ टीका साइटों को स्थानांतरित भी कर दिया गया है।

इसके अलावा फिलहाल हर घर दस्तक अभियान भी काफी रंग ला रहा है। पर आगामी दिनों में टीकाकरण अभियान की रफ्तार को बनाए रखना प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। दूसरा जगह के साथ मानव संसाधन की किल्लत भी प्रशासन के समक्ष फिलहाल बड़ी परेशानी है। असल में बोर्ड की परीक्षा के कारण प्रशासन ने टीकाकरण व इंफोर्समेंट अभियान में अपनी ड्यूटी दे रहे सभी टीजीटी

व पीजीटी अध्यापकों को ड्यूटी से मुक्त कर दिया है। हालांकि, उनके स्थान पर प्राथमिक अध्यापकों को ड्यूटी पर लगाया गया है, पर स्कूल खोलने के बाद प्रशासन को इन्हें भी ड्यूटी मुक्त करना होगा। पश्चिमी जिला प्रशासन की मानें तो फिलहाल जिले में 115 केंद्रों पर टीकाकरण अभियान चल रहा है। पर स्कूल खुलने के बाद वहां टीकाकरण केंद्र को चलाना अब चुनौती बन गया है, पर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग स्कूलों के किसी भी एक कोने में टीका साइट को चला सकता है बशर्ते विद्यार्थी स्वास्थ्यकर्मी व लोगों के संपर्क में न आएं। सुरक्षा कारणों को मद्देनजर रखते हुए चार टीका केंद्रों को सुभाष नगर, शादीपुर डिपो, मुंडका व नांगलोई मेट्रो स्टेशन पर स्थानांतरित कर दिया गया है और कुछ नजदीकी डिस्पेंसरी में चलाई जा रही है। जबकि अन्य साइटों को स्थानांतरित करने के लिए जगह की तलाश जारी है। फिलहाल स्कूलों में बोर्ड की परीक्षा चल रही है, ऐसे में परीक्षा वाले दिन स्कूलों में टीका साइट बंद रहती है और उस दिन हर घर दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य कर्मचारी गली-मोहल्लें, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारों जैसे सार्वजनिक स्थान पर शिविर आयोजित करते है। सोमवार से स्कूल पूर्ण रूप से खुलने जा रहे हैं, ऐसे में प्रशासन पूरी कोशिश कर रहा है कि जल्द से जल्द जगह की तलाश कर टीका साइटों को स्थानांतरित कर दिया जाए।

सूत्रों की माने तो स्कूलों से निकलकर टीका केंद्रों को अब सरकारी कार्यालयों में खोला जाएगा। हालांकि सामुदायिक भवन में भी टीका केंद्र चलाने की बात सामने आई थी, पर शादियों के समय को ध्यान में रखते हुए यह योजना को खारिज कर दिया गया। अगर दक्षिण-पश्चिमी जिले की बात करें तो उन्होंने 14 टीका केंद्रों को स्कूलों से स्थानांतरित कर दिया गया है। हालांकि अभी हर घर दस्तक अभियान पर जोर दिया जा रहा है, क्योंकि वहां लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

आधुनिक व धर्मनिरपेक्ष संविधान और सनातन भारत

26 नवंबर 1949 को हम भारतीयों का संविधान बनकर तैयार हुआ था। आज 72 वर्ष बाद हमारा संविधान क्या अपनी उस मौलिक प्रतिबद्धता की ओर उन्मुख हो रहा है जिसे इसके रचनाकारों ने भारतीयता के प्रधान तत्व को आगे रखकर बनाया था। आज इस सवाल को सेक्युलरिज्म और आधुनिकता के आलोक में विश्लेषित किये जाने की आवश्यकता है क्योंकि मूल संविधान की इबारत में यह अवधारणा कहीं थी नहीं, इसे तो 1976 में प्रस्तावना में जोड़ा गया है। यहां सवाल यह भी उठाया जाना चाहिये कि जिस दलित चेतना के नाम पर अक्सर संविधान को बाबा साहब अंबेडकर की अस्मिता के साथ जोड़ा जाता है क्या उसके साथ बुनियादी खिलवाड़ 1976 में ही नहीं हो गया है। दलित वर्ग को यह भय अक्सर दिखाया जाता रहा है कि कतिपय मनुवादी मानसिकता आरक्षण को खत्म कर बाबा साहब के बनाये संविधान को बदलना चाहती है लेकिन कभी इस प्रश्न को नहीं उठाया जाता कि मूल संविधान के साथ बुनियादी छेड़छाड़ क्यों और किस मानसिकता के साथ की गई? आज इस बात पर संवाद होना चाहिये कि क्या मौलिक रूप से भारत का संविधान उस सनातन जीवन दृष्टि से शासन और राजनीति को दूर रहने की हिदायत देता है क्या, जिसको आधार बनाकर पिछले 75 वर्षों में इस देश की संसदीय राजनीति और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है।

अगर हम मूल संविधान की प्रति उठाकर पन्नों को पलटते हैं तो हमें उसके अंदर सुविख्यात चित्रकार नंदलाल बोस की कूची से बनाये हुए कुल 22 चित्र नजर आते हैं। इन चित्रों के आधार पर ही हम समझ सकते हैं कि हमारे संविधान निर्माताओं के मन और मस्तिष्क में कैसे आदर्श भारतीय समाज की परिकल्पना रही होगी। इन चित्रों की शुरुआत मोहनजोदड़ो से होती है और फिर वैदिक काल के गुरुकुल, महाकाव्य काल के रामायण में लंका पर प्रभु राम की विजय, गीता का उपदेश देते श्री कृष्ण, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म का प्रचार, (मौर्य काल), गुप्त वंश की कला जिसमें हनुमानजी का दृश्य है, विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय, उड़िया मूर्तिकला, नटराज की प्रतिमा, भागीरथ की तपस्या से गंगा का अवतरण, मुगलकाल में अकबर का दरबार, शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह, टीपू सुल्तान और महारानी लक्ष्मीबाई, गांधी जी का दांडी मार्च, नोआखली में दंगा पीड़ितों के बीच गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, हिमालय का दृश्य, रेगिस्तान का दृश्य, महासागर का दृश्य शामिल है। इन 22 चित्रों के जरिये भारत की महान परंपरा की कहानी बयां की गई है। इनमें राम, कृष्ण, हनुमान, बुद्ध, महावीर, विक्रमादित्य, अकबर,टीपू सुल्तान, लक्ष्मीबाई, गांधी, सुभाष क्यों हैं? क्या केवल संविधान की किताब को कलात्मक कलेवर देने के लिये? शायद बिल्कुल नहीं।असल में यह चित्र भारत के लोकाचार और मूल्यों का प्रतिनिधित्व देने के लिये नंदलाल बोस से बनवाये गए। यही चित्र संविधान की इबारत के जरिये शासन और सियासत के अभीष्ट निर्धारित किये गए थे।

सवाल यह है कि इन्हीं 22 चित्रों में नंदलाल बोस ने रंग क्यों भरा है संविधान की पुस्तक में? इसका बहुत ही सीधा और सरल जवाब यही है कि ये सभी चित्र भारत के महान सांस्कृतिक जीवन और विरासत के ठोस आधार हैं। ये सभी चित्र भारत की अस्मिता के प्रामाणिक दस्तावेज हैं जिनके साथ हर भारतवासी एक तरह के रागात्मक अनुराग जन्मना महसूस करता है। राम, कृष्ण, हनुमान, गीता, बुद्ध, महावीर, नालंदा, गुरु गोविंद सिंह असल में हजारों साल से भारतीय लोकजीवन के दिग्दर्शक हैं। जाहिर है संविधान की मूल रचना में इन्हें जोड़ने के पीछे यही सोच थी कि भारत की आधुनिकता और विकास की यात्रा इन जीवन मूल्यों के आलोक में ही निर्धारित किया जाना चाहिये। लेकिन दुःखद अनुभव यह है कि पिछले कुछ दशकों ने भारतीय संविधान निर्माताओं की भावनाओं के उलट देश के शासन तंत्र और चुनावी राजनीति के माध्यम से भारत के लोक जीवन को धर्मनिरपेक्षता के शोर से दूषित करने का प्रयास किया गया है। यही धर्मनिरपेक्षता की राजनीति भारत के आधुनिक स्वरूप की समझ और स्वीकार्यता को खोखला साबित करने के लिये पर्याप्त इसलिये है क्योंकि परंपरागत भारत और आधुनिक भारत के मध्य जिस संविधान के प्रावधानों को अलगाव का आधार बनाया जाता है, असल में वे आधार तो कहीं संविधान के दर्शन में हैं ही नहीं। इसलिए सवाल यह है कि क्या 75 साल से संविधान की विकृत व्याख्या के जरिये इस देश की सियासत और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है? जिस राम, कृष्ण, हनुमान को शासन के स्तर पर सेक्युलरिज्म के शोर में अछूत मान लिया गया क्या वे संविधान निर्माताओं के लिये भी अश्पृश्य थे? क्या राम की मर्यादा, कृष्णा का गीता ज्ञान, हनुमान का शौर्य, बोस की वीरता, गुरुकुल की शैक्षणिक व्यवस्था, गांधी का राम राज्य, अकबर का सौहार्द, बुद्ध की करुणा, महावीर की शीलता, गुरुगोविंद सिंह का बलिदान, टीपू और लक्ष्मीबाई के शौर्य का अक्स भारत के साथ समवेत होने से हमारी आधुनिकता में कोई ग्रहण लगाने का काम करता है? हमारे पूर्वजों ने तो ऐसा नहीं माना इसीलिए मूल संविधान में इन सभी प्रतीकों का समावेश डंके की चोट पर किया है क्योंकि भारत कोई जमीन पर उकेरी गई या जीती गई या समझौता से बनाई गई भौगोलिक सरंचना मात्र नहीं है, यह तो एक जीवंत सभ्यता है जो सृष्टि के सर्जन के समानांतर चल रही है। 26 नवंबर 1949 को जिस संविधान सभा ने नए विलेख को आत्मार्पित,आत्मसात किया है असल में वह परंपरा और आधुनिक भारत के सुमिलन का उदघोष मात्र था।

चिंताजनक है महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा

योगेश कुमार गोयल

विश्वभर में प्रतिवर्ष 25 नवम्बर को महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस' मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने के ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल द्वारा डोमिनिक शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किए जाने पर उस क्रूर शासक के आदेश पर 25 नवम्बर 1960 को उन तीनों बहनों की हत्या कर दी गई थी।

वर्ष 1981 से उस दिन को महिला अधिकारों के समर्थक और कार्यकर्ता उन्हीं तीनों बहनों की मृत्यु की पुण्यतिथि के रूप में मनाते आए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 17 दिसम्बर 1999 को एकमत से हर साल 25 नवम्बर का दिन ही महिलाओं के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाने के लिए निर्धारित किया गया। सरकारों, निजी क्षेत्र और प्रबुद्ध समाज से यौन हिंसा और महिलाओं के उत्पीड़न के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि महिलाओं के प्रति हिंसा विश्व में सबसे भयंकर, निरंतर और व्यापक मानवाधिकार उल्लंघनों में शामिल है, जिसका दंश विश्व में हर तीन में से एक महिला को भोगना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र महिला' का गठन किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लड़कियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं। करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है। हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है। वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती है। भारत के संदर्भ में महिला हिंसा को लेकर आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने कुछ दिनों पहले जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के कारण राष्ट्रीय तालाबंदी के महीनों के रूप में चिह्नित एक वर्ष में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ पारंपरिक अपराधों में भले कुछ कमी देखी गई लेकिन देश में अपराध के मामले 28 प्रतिशत बढ़ गए। जबकि लॉकडाउन के बाद महिलाओं और बच्चों के खिलाफ आपराधिक मामलों में तेजी आई है। एनसीआरबी के अनुसार देशभर में 2020 में बलात्कार के प्रतिदिन औसतन 77 मामले दर्ज किए गए और कुल 28046 मामले सामने आए। वर्षभर में पूरे देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 371503 मामले दर्ज किए गए, जो 2019 में 405326 और 2018 में 378236 थे। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2019 में महिलाओं के खिलाफ 405326 मामले सामने आए थे, जिनमें प्रतिदिन औसतन 87 मामले बलात्कार के दर्ज किए गए। रिपोर्ट के अनुसार देशभर में वर्ष 2018 के मुकाबले 2019 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में 7.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। एनसीआरबी के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में वर्ष 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 10093 मामले दर्ज किए गए। जबकि 2019 में ऐसे 13395 मामले सामने आए थे अर्थात् 2019 की तुलना में 2020 में महिलाओं के खिलाफ 24.65 फीसदी अपराध कम हुए। 2019 के मुकाबले दिल्ली में 2020 में भले ही महिलाओं के खिलाफ अपराध करीब 25 प्रतिशत घट गए लेकिन कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के कारण जब देश की अधिकांश आबादी अपने घरों में थी, स्कूल-कॉलेज बंद थे, वर्क फ्रॉम होम चल रहा था, ऐसे में भी 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 10093 मामले सामने आना कम चिंताजनक नहीं है। 2020 में दिल्ली में महिलाओं के अपहरण के 2938, बलात्कार के प्रयास के 9 और बलात्कार या सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या का एक मामला दर्ज किया गया। यही नहीं, इस दौरान देशभर में साइबर अपराध 2019 के मुकाबले 11.8 फीसदी बढ़ा है। भारत में 2020 में साइबर अपराध के 50035 मामले दर्ज किए गए जबकि 2019 में साइबर अपराध के 44735 और 2018 में 27248 मामले दर्ज हुए थे। वर्ष 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद देशभर में सड़कों पर महिलाओं के आत्मसम्मान के प्रति जिस तरह की जन-भावना और युवाओं का तीखा आक्रोश देखा गया था, यौन हिंसा रोकने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए थे, उसके बाद लगने लगा था कि समाज में इससे संवदनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्वों के हौसले पस्त होंगे किन्तु विडंबना है कि समूचे तंत्र को झकझोर देने वाले निर्भया कांड के बाद भी हालात यह है कि कोई दिन ऐसा नहीं बीतता, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम पुलिस-प्रशासन को कोसते हुए संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालकर या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन कर रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा महिला हिंसा की छोटी-बड़ी घटनाएं तो बदस्तूर होती ही रहती हैं। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन का भी गैरजिम्मेदाराना रवैया ही सामने आता रहा है। अहम प्रश्न यही है कि निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वह कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिसके वे हकदार हैं। इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं।

हैदराबाद की बेटी दिशा का मामला हो या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते इस तरह के तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है कि तमाम सरकारें प्रशासनिक मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त करने के साथ ऐसे अपराधों के लिए प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें और ऐसे मामलों में कोताही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

धन्यवाद दिवस

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

अमेरिका में 'धन्यवाद दिवस' का अपना ही महत्त्व है। यह दिन यूरोप और दूसरे देशों से आए लोगों ने अमेरिका के लोगों को सहायता देने के उपलक्ष्य में शुरू किया था, परंतु समय के साथ-साथ यह दिन 'धन्यवाद दिवस' के रूप में प्रचलित हो गया। कई बार जब हमें किसी से कोई भी चीज़ मिलती है तो हम उन्हें धन्यवाद कहते हैं। चाहे यह हमारे परिवार, मित्रों, शिक्षकों, समाज और देश से मिले।

इसके अलावा हम प्रभु से मिले सभी उपहारों के लिए भी उनका धन्यवाद करते हैं। हमें अपने जीवन में सबसे पहले पिता-परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि उन्होंने हमें ये मानव शरीर दिया है। चौरासी लाख जियाजून में केवल इस शरीर में ही हम अपने आपको जान सकते हैं और पिता-परमेश्वर को पा सकते हैं। इसके अलावा हमारे जीवन में प्रभु ने हमें अनेक बरकतें दी हैं। यदि हम एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जो किसी गंभीर बीमार से पीड़ित हैं। यदि हमें प्रत्येक दिन भोजन मिल रहा है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि बहुत से लोगों को दो वक्त का भी भरपेट भोजन नसीब नहीं है।

यदि हम देख, सुन और बोल पा रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि इस दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो देख पाते हैं, न ही सुन पाते हैं और न ही बोल पाते हैं। यदि हम आर्थिक रूप से संपन्न है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि हम यह देखते हैं कि गरीबी के कारण जीवन में अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यदि हम अपने परिवार के साथ रह रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जोकि अनाथ हैं। इस तरह हम देखते हैं कि हमारे जीवन में प्रभु की अपार दयामेहर है तो इसलिए न सिर्फ धन्यवाद दिवस पर बल्कि हर रोज़ हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए। धन्यवाद दिवस पर हम केवल प्रभु का धन्यवाद करने तक ही सीमित न रहें बल्कि इस दिन हम यह भी प्रण करें कि प्रभु से मिली इन खुशियों को हम सबके साथ बाटेंगे और दूसरों की सेवा करेंगे। हम कई तरह से अपना सहयोग दे सकते हैं जैसे कि शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप में। हमें दूसरों की सहायता निस्वार्थ भाव से करनी चाहिये। यदि कोई बीमार है तो हम उसकी शारीरिक रूप से मदद कर सकते हैं। अगर किसी को मानसिक रूप से परेशानी है तो हम उसे समझाकर उसकी मदद कर सकते हैं और यदि कोई आर्थिक संकट का सामना कर रहा है तो हम अपनी क्षमता के अनुसार उसकी मदद कर सकते हैं। आध्यात्मिक रूप से किसी की मदद केवल संत और गुरु ही कर सकते हैं क्योंकि वे लोगों को ध्यान-अभ्यास के द्वारा प्रभु की ज्योति और श्रुति से जोड़ते हैं। वे उनकी आत्मा को प्रभु से मिलाने में मदद करते हैं।

ऐसे जिज्ञासु जो सच्चाई और प्रभु को पाने की इच्छा रखते हैं, वे उन्हें अनुभव कराते हैं कि इस भौतिक संसार के अलावा भी कुछ है। प्रभु मिलन में उनकी तरक्की तेज़ हो सके इसके लिए वे शिष्य को ध्यान-अभ्यास में बैठने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि वे उनकी आत्मा को इस भौतिक संसार से निकाल कर सच्चे घर सचखंड पहुँचा सकें। तो आईये! धन्यवाद दिवस पर हम यह संकल्प लें कि हम न सिर्फ प्रभु से मिली बरकतों का धन्यवाद करेंगे बल्कि दूसरों की भी मदद करेंगे। यदि हम ऐसा करते हैं तो हम देखेंगे कि इस दुनिया में कोई भी व्यक्ति किसी भी चीज़ से वंचित नहीं रहेगा। ऐसा करके हम एक ऐसे संसार के निर्माण में सहायता करेंगे जिसमें प्यार, दूसरों को देना, और एक-दूसरे का ख्याल रखना महत्त्वपूर्ण होगा। यदि हर व्यक्ति ऐसा जीवन जीने का प्रण ले तो हम देखेंगे कि वह दिन दूर नहीं जब इस धरती पर प्रभु के राज्य की स्थापना होगी।

कोरोनाः यूरोप से भारत बेहतर

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक का दावा है कि कोरोना के तीसरे हमले से डरने की जरूरत नहीं है। भारतीय कोवैक्सीन का असर लोगों को काफी सुरक्षा दे रहा है। यह तो उनकी तकनीकी राय है लेकिन भारत की आम जनता का बर्ताव भी यही बता रहा है कि उसे अब कोरोना का डर ज्यादा नहीं रह गया है। दिल्ली में मैं देख रहा हूं कि नेता लोग बड़ी-बड़ी सभाएं करने लगे हैं, ब्याह-शादियों में सैकड़ों लोग इकट्ठे होने लगे हैं, बाजारों में भीड़ जुटने लगी है और होटलों में लोग खाना भी खाने लगे हैं लेकिन ज्यादातर लोग न तो मुखपट्टी लगा रहे हैं और न ही शारीरिक फासला रख रहे हैं। जिन लोगों ने दो टीके लगवा लिए हैं, वे तो बेफिक्र हो गए हैं। अभी भी 20 करोड़ से ज्यादा टीके अस्पतालों में पड़े हुए हैं। रेल्वे स्टेशनों और हवाई अड्डों पर भी भीड़ बढ़ गई है लेकिन आप जरा यूरोपीय देशों का हाल देखें तो आप थर्रा उठेंगे। यूरोप के जर्मनी, फ्रांस, हालैंड, स्पेन आदि देशों में कोरोना का हमला तीसरा और चौथा है और वह इतना तेज है कि कुछ राष्ट्रों ने कड़ी तालाबंदी घोषित कर दी है।

स्कूल, कालेज, होटल, सभा-स्थल, सिनेमा घर जैसे सब सार्वजनिक स्थल बंद कर दिए हैं। जो कोरोना का टीका नहीं लगवाएगा, उस पर कुछ देशों ने हजारों रुपए का जुर्माना ठोक दिया है। हालैंड में इतने मरीज बढ़ गए हैं कि उसके अस्पतालों में उनके लिए जगह ही नहीं है। उन्हें बसों और रेलों में लिटाकर जर्मनी ले जाया जा रहा है। यूरोपीय देश अपने यहां फैली तीसरी और चौथी लहर से इतने घबरा गए हैं कि वे पड़ोसी देशों के नागरिकों को अपने यहां घुसने नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ माह में वहां मरनेवालों की संख्या 7 लाख तक पहुंचने का अंदेशा है। यूरोपीय महाद्वीप में कोरोना से अगले साल तक शिकार होनेवालों की संख्या 22 लाख तक जा सकती है। भारत में कोरोना से मरनेवालों की संख्या 5 लाख के आसपास है जबकि उसकी आबादी सारे यूरोपीय देशों से लगभग दुगुनी है। भारत के मुकाबले यूरोपीय देश कहीं अधिक साफ-स्वच्छ हैं और वहां चिकित्सा सुविधाएं भी कहीं बेहतर हैं। यूरोपीय देश में शिक्षितों की संख्या भी भारत से ज्यादा है। फिर भी उसका हाल इतना बुरा क्यों हो रहा है? इसका एक मात्र कारण जो मुझे दिखाई पड़ता है, वह यह है कि यूरोपीय लोग अहंकारग्रस्त हैं। वे अपने डॉक्टरों और नेताओं से भी खुद को ज्यादा प्रामाणिक मानते हैं। वे समझते हैं कि दुनिया में सबसे अधिक सभ्य और स्वस्थ कोई हैं तो वे हैं।

23 गोलियों से छलनी होकर भी तुकाराम ने जिन्दा पकड़ा कसाब को

रमेश शर्मा

भारतीय इतिहास के पन्नों पर 26 नवम्बर 2008 वह काला अध्याय है जिस दिन देश की औद्योगिक राजधानी समझी जाने वाली मुम्बई पर सबसे भीषण और सबसे सुनियोजित हमला हुआ था । इस हमले में प्रत्यक्ष हमलावर केवल दस थे पर तीन दिनों तक पूरा देश आक्रांत रहा। इस हमले को 13 साल बीत गये लेकिन कुछ प्रश्नों का समाधान अभी तक नहीं हुआ, कुछ रहस्यों पर आज भी परदा है। हमले का एक पहलू यह भी है कि एएसआई तुकाराम आँवले ने गोलियों से छलनी होकर भी आतंकवादी कसाब को जिंदा पकड़ लिया था। उनके प्राणों ने भले शरीर को छोड़ दिया, पर तुकाराम ने कसाब को नहीं छोड़ा।

कसाब की पकड़ से ही भारत यह प्रमाणित कर पाया कि इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। आतंकवादी हमलों से कोई नहीं बचा, आधी से ज्यादा दुनिया आक्रांत है। अमेरिका, इंग्लैंड और फ्रांस जैसे देशों ने भी आतंकवादी हमले झेले हैं। इन सब हमलों के पीछे एक विशेष मानस और मानसिकता रही है। जो दुनिया को केवल अपने रंग में रंगना चाहती है। हालांकि अबतक हुये आतंकवादी हमलों में सबसे भीषण हमला अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड टॉवर पर हुआ हमला माना जाता है। पर मुम्बई का यह हमला उससे कहीं अधिक घातक माना गया। यह आधुनिकतम तकनीक और सटीक व्यूह रचना के साथ हुआ था। कोई कल्पना कर सकता है कि केवल दस आदमी सवा सौ करोड़ के देश की दिनचर्या तीन दिनों तक हलाकान कर सकते हैं। ये कुल दस हमलावर थे, जो एक विशेष आधुनिकतम नौका द्वारा समुद्री मार्ग से मुम्बई पोर्ट पर आये थे। वे रात्रि लगभग सवा आठ बजे कुलावा तट पर पहुँचे थे। सभी एक ही वोट में आये थे। उनके हाथ में कलावा बंधा था और कुछ के गले में भगवा दुपट्टा भी दिख रहा था। सभी के पास बैग थे। ये जैसे ही पोर्ट पर उतरे मछुआरों ने देखा। उन्हें ये लोग सामान्य न लगे, न कद काठी और न वेश भूषा में। सामान्यतः ऐसी भगवाधारी टीम नाव से कभी न आती। नाव भी विशिष्ठ थी इसलिये मछुआरों को उनमें कुछ अलग लगा। मछुआरों ने इसकी सूचना वहां तैनात पुलिस पाइट को भी दी थी। किंतु पुलिस को मामला इतना गंभीर न लगा जितना बाद में सामने आया। भगवा दुपट्टे के कारण पुलिस ने ध्यान न दिया और सभी आतंकवादी पोर्ट से बाहर आ गये। वे वहां से दो टोलियों में निकले, बाद में पाँच टोली बने। इन्हें पाँच टारगेट दिये गये थे। प्रत्येक टारगेट पर दो-दो लोगों को पहुंचना था। ये टारगेट थे होटल ताज, छत्रपति शिवाजी टर्मिनल, नरीमन हाउस, कामा हास्पीटल और लियोपोल्ड कैफे थे। कौन कहाँ कब पहुँचेगा यह भी सुनिश्चित था। ये सभी रात सवा नौ बजे तक अपने अपने निर्धारित स्थानों पर पहुँच गये थे हमला साढ़े नौ बजे से आरंभ हुआ। इन्हें पाकिस्तान में बैठकर कोई जकीउर रहमान कमांड दे रहा था। जकी ने साढ़े नौ बजे ही हमले की कमांड दी। ये सभी अपने दिमाग से नहीं अपितु मिल रही कमांड के आधार पर काम कर रहे थे इसलिये अपने टारगेट पर पहुँचकर इन्होंने कमांड का इंतजार किया। कहाँ बम फोड़ना है, कहाँ गोली चलानी है, कितनी गोली चलानी है, यह भी कमांड दी जा रही थी। ये हमला कितनी आधुनिक तकनीक से युक्त था इसका अनुमान इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान में बैठा जकीउर रहमान इन सभी को देख सकता था और वह देखकर बता रहा था कि किसे क्या करना है। वह किसी ऐसी आधुनिक प्रयोगशाला में बैठा था जहाँ से इन्हें आगे बढ़ने, दाँये या बायें मुड़ने का मार्ग भी बता रहा था और आगे पुलिस प्वाइंट कहाँ, यह भी बताता था। बहुत संभव है कि इन पाँचों टीम को कमांड देने वाले अलग अलग लोग हों। बाकी हमलावरों को मार गिराया गया इसलिये उनका रहस्य, रहस्य ही रह गया। जकी का नाम इसलिये सामने आया कि कसाब पकड़ा गया और उसने नाम बताया। यह आतंकवादी अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य थे। सभी के पास एके-47 रायफल, पिस्टल, 80 ग्रेनेट और विस्फोटक, टाइमर्स और दो हजार गोलियाँ थीं । हमला 26 नवम्बर को आरंभ हुआ और 28 नवम्बर की रात तक चला। 29 नवम्बर को सरकार की ओर से अधिकृत घोषणा की गयी कि हमलावरों को मार गिराया गया। तब जाकर पूरे देश ने राहत की सांस ली। इस हमले में 166 लोगों की मौत हुई । घायल हुये जिन लोगों ने बाद में प्राण त्यागे उन्हें मिलाकर आकड़े दो सौ से ऊपर जाते हैं। तीन सौ अधिक लोग घायल हुये। आतंकवादियों से निबटने के लिए सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन ब्लैक टोर्नेडोष् चलाया था। यह मुकाबला कोई साठ घंटे चला। अंतिम मुकाबला होटल ताज में हुआ था। आतंकवादी अपनी योजना और कमांड के अनुसार हर स्पाट पर दो-दो लोग थे। होटल ताज को इन दो आतंकवादियों से मुक्त कराने में सुरक्षा बलों को पसीना आ गया था। इसका एक कारण यह था कि सुरक्षा बलों को इनकी लोकेशन का पता देर से लगा जबकि आतंकवादियों को होटल के हर कोने की गतिविधियों का पता कमांड से चल रहा था। आतंकवादियों को होटल में सुरक्षा बलों के मूवमेंट का पता होता था जबकि सुरक्षा बलों को डेढ़ दिन तक इनके मूवमेंट का पता न चल रहा था। आतंकवादियों ने होटल के कैमरे और लिफ्ट सिस्टम को नष्ट कर दिया था। जबकि पाकिस्तान में बैठा इनका कमांडर होटल की हर गतिविधि को देख रहा था और उसी अनुसार इन्हें कमांड दे रहा था जिससे ये अपनी लोकेशन बदल लेते थे। इसलिये वे होटल ताज में जन और धन दोनों का अधिक नुकसान कर पाये। बलिदानी तुकाराम आँवले होटल ताज के बाद सबसे अधिक क्षति और आतंक शिवाजी टर्मिनल पर आये दोनों आतंकवादियों ने मचाया । शिवाजी टर्मिनल पर मरने वालों की संख्या 58 और घायलों की संख्या 104 थी । यहीं सड़क पर आठ पुलिस कर्मी भी मारे गये । यहीं एएसआई तुकाराम ने आतंकवादी कसाब को जिंदा पकड़ । यदि कसाब जिन्दा न पकड़ा जाता तो इस हमले की आंच पाकिस्तान पर न आती और इस हमले को भी ष्भगवा आतंकवादष् के नाम मढ़ दिया जाता जैसे मालेगाँव विस्फोट, मक्का मस्जिद, अजमेर ब्लास्ट और समझौता एक्सप्रेस में हुए विस्फोट के समय षडयंत्र पूर्वक किया गया था। कोशिश तो मुम्बई हमले के समय भी गयी। उर्दू के एक पत्रकार अजीज बर्नी ने पहले लेख माला चलाई, फिर उसका संकलन निकाला और इन लेखों में बाकायदा इसे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की साजिश करार देने की कोशिश की। चूँकि कसाब जिन्दा पकड़ा गया था और उसने अपने घर का पता भी बता दिया था। इसलिये इस बार वह वैचारिक षडयंत्र सफल हो पाया जो गोधरा कांड के बाद से किया जा रहा था। शिवाजी टर्मिनल पर जो आतंकवादी आये थे उनमें से एक का नाम इस्माइल खान था और दूसरा अजमल कसाब था । गिरफ्तारी के बाद कसाब ने इस आतंकवादी टीम को मिले प्रशिक्षण का विवरण दिया वह आश्चर्यचकित करने वाला है । ये सभी लश्कर के फिदायीन दस्ते के सदस्य थे । कसाब के बयानों के अनुसार सभी आतंकवादियों को ट्रेनिंग मुजफ्फराबाद के पहाड़ पर बने कैम्प में दी गयी। इसमें तैरने, नौकायन, हथियार चलाने के साथ कमांडो ट्रेनिंग भी दी गयी थी । इन्हें शस्त्र संचालन, हमला करने और हमले से बचाव की ही नहीं धार्मिक और मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण भी दिया गया था। प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन भी होते थे। इसलिये अपनी फाँसी के पहले क्षण तक कसाब को अपने किये पर कोई अफसोस न था।

उसे इस बात का संतोष था कि वह अपने काम में कामयाब रहा लेकिन उसे इस बात का मलाल रहा कि उसे जन्नत देर से नसीब हो रही है जबकि उसके साथी कब के अल्लाह के करीब पहुँच गये। अपनी योजना के अनुसार कसाब और इस्माइल सवा नौ बजे के आसपास शिवाजी टर्मिनल पर पहुँच गये थे। उन्होंने साढ़े नौ बजे हमला शुरू किया। सबसे पहले वेटिंग लाउंज में बैठे लोगों पर बम फोड़ा, जब भगदड़ मची तो गोलियाँ चलाई। वे लगभग पन्द्रह मिनट तक यही सब करते रहे फिर सुरक्षित बाहर निकले और कार से डीबी मार्ग की ओर गये । सूचना मिलने पर पुलिस ने जगह-जगह वेरिकेडिंग कर दी। वेरिकेडिंग के लगभग पचास मीटर पहले ही गाड़ी रुकी। गाड़ी इस्माइल चला रहा था और कसाब बगल में था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

बिहार के बीजेपी विधायक पर जेडीयू का बड़ा हमला

पटना (एजेंसी) । बिहार में शराबबंदीकानून पर जारी सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। एक तरफ जहां नीतीश सरकार शराबबंदी को लेकर सख्त है, वहीं सरकार की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के विधायक शराबबंदी कानून की समीक्षा की बात कह रहे हैं। बीजेपी एमएलए हरिभूषण ठाकुर बचौल के बयान पर अभी सियासत थमी भी नहीं थी कि बेगूसराय के भारतीय जनता पार्टी के विधायक कुंदन सिंह ने शराबबंदी कानून का विरोध कर डाला। शराबबंदी पर बीजेपी विधायकों के बयान के बाद अब जनता दल यूनाइटेट ने भी पलटवार किया है। जेडीयू के विधान पार्षद गुलाम रसूल बलियावीने तंज कसा है। बलियावी ने कहा है कि ऐसे लोगों का नोटिस नहीं

लेना चाहिए। जेडीयू के एमएलसी गुलाम रसूल बलियावी ने बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल पर तंज कसते हुए कहा कि हमको लगता है कुछ लोग नशे में बहुत कुछ बोलते रहते हैं। अब ये जांच का विषय का है ये लोग नशा करने के बाद बोलते हैं या पहले बोलते हैं। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के बातों पर नोटिस लिया जाता है और नेतृत्व ने दोनों सदन में शपथ भी लिया है और मानव श्रृंखला में शामिल होकर प्रमाणित भी किया है। बलियावी ने कहा कि बीजेपी नेतृत्व बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए हमलोग नेतृत्व की ही बात करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के विधायक नेतृत्व नहीं हैं। हमारा गठबंधन बीजेपी से है। व्यक्ति और पार्टी में बहुत फर्क है इसलिए हमलोग नेतृत्व के फैसले के साथ हैं। गौरतलब है कि बीजेपी एमएलए ने बीते दिनों बिहार पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा था कि पुलिस की मिलीभगत से सूबे में शराब बिक रही है। अगर पुलिस चाह ले तो एक पत्ता नहीं हिलेगा। बचौल ने कहा था कि जिम्मेदार लोग ही उल्लंघन कर रहे हैं। बीजेपी विधायक ने सरकार से शराबबंदी कानून को वापस लेने की मांग भी की थी।

शराबबंदी पर बीजेपी विधायकों की नाराजगी पर सियासत तेज, आरजेडी ने कहा-नीतीश सरकार से समर्थन वापस लीजिए

पटना (एजेंसी) । बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीते दिनों शराबबंदी को सख्त करने के लिए समीक्षा बैठक की। इस बैठक के बाद लगातार पुलिस का एक्शन भी दिख रहा है। लेकिन इस बीच शराबबंदी कानून को लेकर सूबे में सियासत भी तेज होती जा रही है। सरकार में शामिल बीजेपी के विधायक लगातार शराबबंदी की समीक्षा की मांग कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल के बाद अब बीजेपी के एमएलए कुंदन सिंह ने भी सवाल उठा दिया है। बीजेपी की तरफ से लगातार उठ रहे सवाल पर राष्ट्रीय जनता दल ने अब नया दांव चला है। आरजेडी के महासचिव सीनियर लीडर आलोक मेहता ने कहा कि इस हाल में बीजेपी को सरकार से समर्थन वापस ले लेना चाहिए। लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के नेता आलोक मेहता ने कहा है कि सरकार में शामिल बीजेपी

के विधायक लगातार शराबबंदी कानून को लेकर नाराज चल रहे हैं। तो ऐसे में बीजेपी को सरकार से समर्थन वापस लेकर बाहर आ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, सरकार में रहकर बीजेपी अनर्गल अलाप कर रही है। आलोक मेहता ने आरोप लगाया कि बिहार में शराबंदी लागू करने में सरकार नाकाम साबित हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार में सवाल उठाने का मतलब नहीं है। अगर वो इस कानून का विरोध करते हैं तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। गौरतलब है कि, बीते दिनों बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने शराबबंदी कानून को लेकर सवाल उठाया था। इसके बाद अब बेगूसराय के भाजपा विधायक ने शराबबंदी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि जो चीज उत्तर प्रदेश, झारखंड में सही है वो बिहार मे कैसे गलत है। बीजेपी विधायक ने कहा कि बिहार में ड्रग्स का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब का कारोबार कर जिन लोगों ने कमाई की वे पंचायत चुनाव लड़ रहे हैं। कुंदन सिंह ने कहा कि शराबबंदी कानून को लेकर समीक्षा होनी चाहिए।

देवर से शादी करने की जिद पर अड़ी महिला, सासाराम में सबके सामने कहा- अब इससे ही करुंगी ब्याह

सासाराम (एजेंसी)। देवर से शादी करने के लिए एक महिला ने हाई वोल्टेज ड्रामा किया। सासाराम की ये महिला अपने देवर से शादी करने की जिद पर अड़ी है। जिले के स्थानीय डीएसपी कार्यालय परिसर में बुधवार को एक विवाहिता ने घंटे भर तक हल्ला हंगामा किया। जानकारी के अनुसार अमृता कुमारी नाम की एक महिला ने अपने ससुरालवालों पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया था। केस की सुनवाई के बाद कोर्ट ने जमानत दे दी थी। महिल का कहना था कि पति से अलग होकर अब वह अपने देवर राकेश से शादी करना चाहती है । खबर के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार महिला ने अपने देवर राकेश से शादी करने के लिए हंगामा किया। हंगामे को देख उसे समझाने पहुंची नगर थाना की महिला पुलिस बल से भी उक्त महिला उलझ गई। काफी देर की मशक्कत के बाद उक्त महिला को वहां से हटाया गया। इस दौरान महिला ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। हंगामा होते देख वहां भारी भीड़ इकट्ठा हो गई । जानकारी के मुताबिक तिलौथू की रहने वाली अमृता कुमारी की शादी वर्ष 2018 में सासाराम के डेहरी के करवट बिगहा के पन्नालाल सिंह से हुई थी। शादी के बाद अमृता ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए अपने पति और ससुरालवालों के विरुद्ध थाने में केस दर्ज कराया था। लेकिन बुधवार को कोर्ट से ससुरालवालों को अग्रिम जमानत मिल गई। इस मामले में हंगामा करने वाली महिला अमृता का कहना है कि पति से उसका विवाद हो गया है। पति से विवाद होने के बाद वे अपने देवर से ब्याह करना चाहती है। अमृता ने आरोप लगाया है कि, उसके ससुराल वालों उसके अकाउंट में छह लाख रुपये भेजा है और कहा है कि किसी और से शादी कर लो। महिला का कहना है कि अब वो दूसरी शादी अपने देवर से ही करेगी।

15 लाख की ठगी मामले में आरोपित आढ़ती से पूछताछ

शिमला (एजेंसी) । सेब बागवानों के 15 लाख डकारने के आरोपित आढ़ती से बुधवार को सीआइडी ने पूछताछ की। अब उसने पैसे नहीं चुकाए तो एसआइटी गिरफ्तार कर लेगी। आरोपित कुलदीप ठियोग का रहने वाला है। वह परवाणू में हिमाचल एपल ब्रांड के नाम से आढ़त करता था। सीआइटी के पास ठियोग क्षेत्र के बागवानों ने शिकायत की । इस शिकायत के आधार पर सीआइडी ने भराड़ी थाने में हाल ही में केस दर्ज किया। अब केस की जांच चल रही है। बागवानों ने तीन वर्ष पहले सेब बेचे थे। एसआइटी इस मामले में शिकायत करने वाले चार बागवानों, नंदलाल वर्मा, श्याम ड्क्षसह, देवेंद्र वर्मा व सतीश वर्मा के बयान दर्ज हो गए हैं। बाकी बागवानों के भी बयान दर्ज होंगे। कुफ्टू गांव के बागवान नंदलाल वर्मा ने बताया कि उन्होंने 2018 में परमाणू में हिमाचल एपल ब्रांड आढ़त चलाने वाले ठियोग के ही आढ़ती कुलदीप को सेब बेचे थे, लेकिन कई वर्ष बीते जाने के बाद भी सेब का पैसा नहीं दिया गया है। बागवान श्याम ड्क्षसह का कहना है कि उसके भी दो लाख नहीं चुकाए हैं। अब तक सीआइडी 23 से अधिक आरोपित आढ़तियों व कारोबारियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि 70 से अधिक मामलों में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल हो गई है। कुल 127 मामले दर्ज हैं। इनमें से अधिकांश की जांच अंतिम चरण में पहुंच गई है। जांच एजेंसी आरोपितों को पैसा जमा करवाने का समय देती है। कई आढ़ती प्रभावित बागवानों को पैसे की अदायगी कर देती है।

माननीयों का ये बोझ हल्का कर देश का पहला सदन बना बिहार, एक क्लिक पर देख सकेंगे सबकुछ

पटना (एजेंसी)

विधान परिषद के सदस्यों को जल्द ही कागज के बड़े लिफाफे और उसके भीतर रखे वजनी कागजात को ढोने से आजादी मिल जाएगी। वह सामने रखे कंप्यूटर पर सब कुछ देख सकेंगे। मसलन, उनके सवालों पर संबंधित मंत्री ने क्या जवाब दिया है। सिर्फ जवाब ही नहीं, पूरी विधायी प्रक्रिया की जानकारी उन्हें अपने कंप्यूटर पर मिल जाएगी।

हालांकि, यह सब होने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन गुरुवार को परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह ने जैसे ही ई-विधान अप्लीकेशन (नेवा) का उद्घाटन किया, इसकी शुरुआत हो गई। इस सेवा के लिहाज से यह देश का पहला सदन बन गया। कार्यकारी सभापति ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं के सहारे सदस्य अपने संसदीय दायित्वों का बेहतर निर्वहन कर सकेंगे। बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में यह संभव हो सका। कार्यक्रम को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने भी

> **मसलन, उनके सवालों पर संबंधित मंत्री ने क्या जवाब दिया है। सिर्फ जवाब ही नहीं, पूरी विधायी प्रक्रिया की जानकारी उन्हें अपने कंप्यूटर पर मिल जाएगी। हालांकि, यह सब होने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा।**

वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस सुविधा के लिए केंद्र और राज्य सरकार 60:40 के अनुपात में खर्च कर रही हैं। उप मुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहा कि बिहार ही नहीं, देश के लिए यह गौरव की बात है। बिहार विधान परिषद का अनुकरण देश के दूसरे सदन में भी होगा। कार्यक्रम को जदयू के रामवचन राय, राजद के रामबली सिंह, कांग्रेस के प्रेमचंद्र मिश्रा ने भी संबोधित किया। वामदलों की ओर से केदार नाथ पांडेय ने नई व्यवस्था का स्वागत किया। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय झा ने कहा कि सदन में कंप्यूटर-टैब की काफी उपयोगिता और इसके उपयोग की असीम संभावनाएं हैं। उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि तकनीकी रूप से सदन को सशक्त बनाए जाने के बाद सदस्यों को अपने कार्य में बहुत सुविधा हो गई है।

पीएचईडी मंत्री रामप्रीत पासवान ने कहा कि नेशनल ई-विधान अप्लीकेशन का सदन में बहुत उपयोग होगा, क्योंकि दस्तावेजों को सदन पटल पर रखने की सुविधा भी इसमें उपलब्ध है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आज बिहार की 14 करोड़ जनता का गौरव बढ़ गया है और पूरी दुनिया में बिहार की सुंदर छवि में बढ़ोतरी हुई है। इस मौके पर सदन वेश्म में डा. कुमुद वर्मा, निवेदिता सिंह, संजय पासवान, संजय सिंह, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, मदन मोहन झा, प्रो. संजय कुमार सिंह सहित कई विधान पार्षद और विधान परिषद के सचिव विनोद कुमार उपस्थित थे।

शराबबंदी पर भाजपा विधायकों के बयान के बाद सियासत तेज, राजद-कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

पटना (एजेंसी) बिहार में शराबबंदी कानून पर नया विवाद शुरू हो गया है। सीएम नीतीश कुमार की समीक्षा बैठक के बाद सख्ती बढ़ते ही इसपर सवाल खड़े होने शुरू हो गए हैं। विपक्ष ही नहीं, बल्कि सत्ता पक्ष के नेता भी इस पर सवाल खड़े कर रहे हैं। राजद, कांग्रेस इस मामले में सरकार पर पहले से ही हमलावर थी, अब भाजपा की ओर से भी इसके विरोध में सुर उठने शुरू हो गए हैं। इस बीच जदयू की ओर से चेतावनी भी दी गई है कि शराबबंदी कानून का विरोध करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल भाजपा के दो विधायकों हरिभूषण ठाकुर बचौल और बेगूसराय के विधायक कुंदन सिंह के बयानों से सियासत गरमा गई है। भाजपा विधायकों के बयान पर जदयू ने कड़ा पलटवार किया है। हरिभूषण ठाकुर बचौल के बयान देने के बाद जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसका समर्थन किया था। ऐसे में उनके विधायक ऐसा बयान देकर क्या साबित करना चाहते हैं। मामला ठंडा

भी नहीं पड़ा था कि बेगूसराय विधायक कुंदन सिंह ने शराबबंदी को विफल करार दिया है। उन्होंने सवाल किया है जो चीज पड़ोसी राज्य यूपी, बंगाल और झारखंड में ठीक है, वह बिहार में गलत कैसे है। इस बयान के बाद जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा है कि क्या भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से विधायक की सोच अलग है। क्योंकि जब कानून लागू हुआ था तब सभी ने इसका समर्थन किया था। अब माननीय विधायक दल में ही अपनी स्थिति स्पष्ट कर लें। इधर भाजपा विधायक के इस बयान के बाद राजद और कांग्रेस ने भी सरकार पर सवाल उठा दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि शराबबंदी कानून तो लागू कर दिया लेकिन इसे ठीक तरह से लागू करने में विफल रहे। अब तो उनके सहयोगी कह रहे हैं कि शराबबंदी कानून फेल हो गया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि नीतीश कुमार कुंठा का शिकार हो गए हैं। वहीं राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने भाजपा पर शराबबंदी कानून को विफल करने का आरोप लगा दिया। कहा कि कौन शराबबंदी को विफल कर रहा है यह तो स्पष्ट हो गया। दिल की बात जुबां पर आ गई। अब नीतीश कुमार बीजेपी की मांग को पूरा करेंगे या उसका साथ छोड़ेंगे।

पटना में भाजपा नेता की एजेंसी में छलकाए जा रहे थे जाम, पुलिस की दबिश में मैनेजर समेत सात गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) । नीतीश सरकार की शराबबंदी कानून की सख्ती के बाद भी शराब पीने वाले मान नहीं रहे। राजधानी पटना में पुलिस ने एक कोकाकोला एजेंसी में दबिश देकर शराब पार्टी कर रहे सात लोगों को गिरफ्तार किया है। वहां से 17 बोतल शराब भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार दीघा थाना क्षेत्र में स्थित बीजेपी नेता की कोका कोला एजेंसी में पुलिस ने रेड की। भाजपा नेता वार्ड पार्षद का पति बताया जाता है। बताया जाता है कि आरोपित एजेंसी संचालक वहां से फरार होने में सफल रहा। दीघा थानेदार राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि वरीय अधिकारियों से सूचना मिली थी कि कोका कोला एजेंसी में शराब पार्टी की जा रही है। इसके बाद छापेमारी की गई तो निलेश यादव समेत शराब पी रहे कई लोग वहां से फरार होने में सफल रहे। लेकिन पुलिस ने मैनेजर समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि कुल सात लोगों की गिरफ्तारी हुई है। दीघा के पॉल्सन मोड़ पर स्थित कोको कोला एजेंसी में देर रात छापेमारी की गई। कोको-कोला एजेंसी बीजेपी नेता सह पूर्व मुखिया निलेश यादव उर्फ निलेश

मुखिया का हैं। पकड़े गए सभी लोग निलेश के स्टाफ और दोस्त हैं। पुलिस की मानें निलेश मुखिया चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस निलेश यादव सहित पकड़े गए सात अन्य के खिलाफ कार्यवाई में जुटी है। बता दें कि शराब को लेकर राज्य सरकार बेहद सख्त है। कुछ जिलों में जहरीली शराब से मौत के बाद मुख्यमंत्री ने बैठक कर सख्त निर्देश दिया। इसके बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आया। धड़ाधड़ शराब जब्त होने लगी। शराब के धंधेबाज पकड़े गए। इसी क्रम में अब भाजपा नेता और निगम पार्षद के पति के ठिकाने पर रेड की गई है। बताया जाता है कि निलेश यादव मैनपुरा पंचायत से मुखिया रह चुका है। पत्नी सुचित्रा देवी दीघा की वार्ड पार्षद हैं। उन्होंने डिप्टी मेयर का चुनाव भी लड़ा था। पुलिस निगम पार्षद के पति की गिरफ्तारी को छापेमारी कर रही है।

पांच साल बाद लौट रहा बिहार का सुपर काप शिवदीप लांडे, पटना में लफंगों के लिए बन गए थे आफत

पटना (एजेंसी) । दिन हो रात आंखों पर काला चश्मा, फिट बॉडी के लिए मशहूर सुपर काप और सिंघम के नाम से चर्चित 2006 बैच के आइपीएस आफिसर शिवदीप वामनराव लांडे । जी हां, ये पुलिस अधिकारी एक बार फिर बिहार आ रहे हैं। पांच वर्षों बाद अपने गृह राज्य महाराष्ट्र से सेंट्रल डेपुटेशन की अवधि पूरा कर लौट रहे शिवदीप लांडे को जल्द ही बिहार पुलिस में बड़ा ओहदा दिया जा सकता है।

वे अपने गृह राज्य में मुंबई एटीएस में डीआइजी के पद पर पोस्टेड हैं। सूत्रों का कहना है कि दिसंबर के पहले सप्ताह से वे बिहार में सक्रिय हो जाएंगे। वे पटना के अलावा रोहतास और अररिया में भी रह चुके हैं। बिहार के राज्यपाल के एडीसी का पद भी उन्होंने संभाला। पटना में सिटी एसपी रहते लड़कियों के बीच उनका जबरदस्त क्रेज था। उन्होंने लड़कियों को अपना मोबाइल नंबर दे रखा था, मुसीबत पड़ने पर कॉल मिलते ही वे तुरंत पहुंच जाते थे। लफंगों के लिए तो ये आफत

बनकर आए थे। अपने फेसबुक पर उन्होंने एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि मेरी खाकी के प्रति लड़कियों का अटूट विश्वास ही मेरी राखी है। जब-जब किसी बहन ने मुझे याद किया है तो सदा मैं उनका भरोसा बनकर वहां खड़ा रहा हूं। फिटनेस के लिए काफी सजग शिवदीप लांडे ने अपने फेसबुक एकाउंट दौड़ते हुए एक तस्वीर शेयर की और लिखा कि जब कभी किसी घटना से गुस्सा आता है तो खुद को यूं ही प्राकृतिक तरीके से सामान्य करता हूं। अंदर के सारे गुस्से को दौड़ कर पसीनों में बहा देना मेरी आदत है। पटना में पोस्टिंग के दौरान उन्होंने नकली सामान बेचने वालों के लिए कार्रवाई की थी। नकली दवाओं और जाली नोट छापने वालों के लिए भी वे मुसीबत बन गए थे। पटना के [illegible] के पास अशोक राजपथ में एक व्यवसायी की हत्या के बाद अपराधियों के भय से दुकानें बंद हो गई थीं। तब शिवदीप लांडे ने अपराधियों को दबोच कर पीएमसीएच गेट पर ही उनकी जमकर धुनाई की थी। रोहतास में पत्थर माफिया के खिलाफ उन्होंने बड़ी कार्रवाई की थी। जिस समय वे ट्रेनी आइपीएस थे उसी समय बालू और पत्थर माफिया की ओर से उनपर हमला कर दिया गया। लगातार फायरिंग की गई। तब उन्होंने खुद जेसीबी चलाकर उनके अड्डे को नेस्तनाबूत कर दिया था। नशे के सौदागर भी उनके नाम से कांपते थे।

जूनियर इंजीनियर को अब देना होगा बिजली की एक-एक यूनिट का हिसाब, कंपनी बना रही नया सिस्टम

पटना (एजेंसी) । बिजली कंपनी नेक्स्ट जेनरेशन सुधार के तहत जल्द ही एक-एक यूनिट का हिसाब संबंधित इलाके में तैनात अपने कनीय अभियंता से लेकर कार्यपालक अभियंता से लेगी। इसके लिए जल्द ही बिजली एकाउंटिंग के नए सिस्टम को शुरू किए जाने की तैयारी है। एक-एक यूनिट का हिसाब रखने की योजना के तहत सभी फीडर पर मीटर लगाए जाने हैं। फीडर से संबंधित इलाके के

किस फीडर को कितनी बिजली गयी उसका लेखा-जोखा फीडर के मीटर से उपलब्ध हो जाएगा। इसके बाद यह जोड़ा जाएगा कि 30 दिनों में संबंधित ट्रांसफार्मर को जितनी बिजली मिली वह कितनी राशि की थी। उसके जोड़ को संबंधित इलाके के कनीय अभियंता को भी बताया जाएगा कि उनसे संबंधित ट्रांसफार्मर को कितने रूपए की बिजली इतने दिनों में दी गयी। जितने रुपये की बिजली गयी उस हिसाब से संबंधित ट्रांसफार्मर से राशि आई कि नहीं यह मिलान किया जाएगा। बिजली कंपनी के संबंधित अधिकारी का कहना है कि संबंधित इलाके के कनीय अभियंता को इसका पूरा लेखा-जोखा रखना होगा कि उसके अधीन जो ट्रांसफार्मर हैं उससे जो बिजली उक्त इलाके के उपभोक्ताओं के पास गयी उसका यूनिट के हिसाब से क्या मूल्य था। अधिकतम 15 प्रतिशत का अंतर बर्दाश्त किया जा सकता है। बिजली की प्रति यूनिट खपत और उससे मिलने वाली राशि में पंद्रह प्रतिशत का अंतर रहने पर संबंधित इलाके के कनीय अभियंता की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। फीडर और ट्रांसफार्मर पर लगने वाला मीटर सही तरीके से काम कर रहा या नहीं व किस-किस इलाके में मीटर नहीं लगा है इसकी मानीटरिंग मुख्यालय के स्तर से होगी। नियमित रूप से इसकी रिपोर्ट भी तैयार होगी। बता दें कि अपने राजस्व को लेकर बिजली कंपनियां बेहद सजग हैं।

सर्दियों में सुबह टहलने वाले लोग बरतें सावधानी, घातक है प्रदूषित हवा और स्मॉग, गुनगुने पानी का ही करें इस्तेमाल

भभुआ (एजेंसी) । बहुत-से लोगों को सुबह-सुबह टहलने की आदत होती है, लेकिन सर्दी के मौसम में टहलना आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। बातचीत के दौरान कंसल्टेंट फिजिशियन संयुक्त सचिव आइएमए बिहार के डॉ. संतोष कुमार सिंह ने सर्दियों में सुबह टहलने वाले लोगों को कुछ सुझाव दिए हैं। उन्होंने बताया कि सर्दियों में टहलना न सिर्फ हार्ट अटैक का कारण बन सकता है, बल्कि वायु प्रदूषण की वजह से होने वाली बीमारियां भी आपको घेर सकती हैं। इसलिए टहलें, लेकिन सावधानी से। सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक, कार्डिएक अरेस्ट और ब्रेन स्ट्रोक के मामले काफी बढ़ जाते हैं। इसका कारण ये है कि ठंड के मौसम में व्यक्ति के शरीर के अंदर हीट यानी गर्माहट बनाए रखने के लिए आपके हृदय को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

खासकर वे लोग, जो पहले से ही हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग के मरीज हैं उन्हें तो सर्दियों में सुबह-सुबह टहलने बिल्कुल नहीं जाना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने पर उन्हें एंजिना, चेस्ट पेन या हार्ट अटैक आने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यही कारण है चिकित्सक बुजुर्ग और हार्ट के मरीजों को सर्दी के मौसम में अधिक सतर्क और सावधान रहने की सलाह देते हैं और इसलिए ऐसे लोगों को तो सुबह की सैर के लिए बिल्कुल नहीं निकलना चाहिए। सर्दियों में वायु प्रदूषण अपने चरम पर होता है। सुबह के समय सूरज निकलने से पहले आपको अपने चारों तरफ जो स्मॉग नजर आता है वह सुबह की धुंध या कोहरे में मिला हुआ धुंआ ही है। जिसमें कार्बन डाई आक्साइड के अलावा कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड जैसी जहरीली गैसों के बारीक कण मौजूद होते हैं। इनकी वजह से हृदय रोग, लंग कैंसर, सीओपीडी जैसी बीमारियां हो सकती हैं। यही कारण है कि ऐसे वातावरण में सुबह की सैर करना सेहत के लिए घातक साबित हो जाता है। अगर आप टहलने के लिए जाना ही चाहते हैं तो आपको सुबह-सुबह टहलने निकलने की बजाए धूप निकलने के बाद ही टहलने के लिए जाना चाहिए। सुबह टहलने के लिए जाते वक्त अच्छी तरह से गर्म कपड़े जरूर पहनें और अगर संभव हो तो एक जैकेट पहनने की बजाए कपड़ों की अलग-अलग लेयर्स का इस्तेमाल करें, ऐसा करने से आपको सर्दी नहीं लगेगी और हार्ट अटैक का जोखिम भी कम हो जाएगा। सर्दियों में भले ही आपको प्यास कम लगती हो लेकिन रोजाना 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो और टहलने से वापस आने के बाद ठंडा पानी पीने की बजाए गुनगुना पानी ही पिएं। ठंड के मौसम में सुबह के समय टहलने के लिए निकलते वक्त स्कार्फ, ऊनी टोपी, मोजा, ग्लव्स और मास्क आदि का इस्तेमाल जरूर करें। लगातार लंबे समय तक स्मॉग वाली प्रदूषित हवा को सांस के जरिए शरीर के अंदर लेने से कई तरह की खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए जहां तक संभव हो स्मॉग में निकलने से बचें। सर्दियों में टहलने के लिए जाने की बजाए आप चाहें तो घर के अंदर ही हल्की-फुल्की एक्सरसाइज, वर्कआउट, योगा आदि कर सकते हैं।

सिंधू इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बाली (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधू ने गुरूवार को यहां जर्मनी की युवोने लि पर आसानी से सीधे गेम में जीत दर्ज कर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा विश्व चौम्पियन और तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू को दूसरे दौर के मैच में जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने 850,000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में दुनिया की 26वें नंबर की खिलाड़ी को 37 मिनट में 21-12 21-18 से शिकस्त दी। लि के खिलाफ पहली बार खेल रहीं दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू शुरू से पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं। सिंधू का दबदबा इस तरह का था कि दो बार की इस ओलंपिक पदक विजेता ने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया जिसमें उन्होंने लगातार सात अंक जुटाये। दूसरे गेम में हालांकि लि ने अच्छी वापसी की कोशिश की जिससे यह गेम बराबर की टक्कर वाला रहा। लेकिन सिंधू ने जर्मनी की खिलाड़ी को फायदा नहीं उठाने दिया और मैच जीत लिया। सिंधू का सामना अब क्वार्टरफाइनल में स्पेन की बिट्रिज कोरालेस और दक्षिण कोरिया की सिम युजिन के बीच होने वाले दूसरे दौर की विजेता खिलाड़ी से होगा।

साथियान विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप के तीसरे दौर में

ह्यूस्टन (एजेंसी)। भारत के जी साथियान ने रूस के व्लादीमीर सिडोरेंको को 4-0 से हराकर विश्व टेबल टेनिस चौंपियनशिप के पुरुष एकल के तीसरे दौर में जगह बनायी। विश्व में 37वें नंबर के भारतीय ने 179वीं रैंकिंग के अपने प्रतिद्वंद्वी को 11-9, 11-9, 11-8, 11-6 से हराया। उनका अगला मुकाबला विश्व में 17वें नंबर के नाईजीरियाई खिलाड़ी अरुणा कादरी से होगा। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी और विश्व में 30वें नंबर पर काबिज शरत कमल मंगलवार को पहले दौर में हार गये थे। शरत हालांकि साथियान के साथ पुरुष युगल और अर्चना कामथ के साथ मिश्रित युगल में अब भी अपनी छाप छोड़ सकते हैं। शरत और अर्चना ने अल्जीरिया के सामी खेरोफ और कातिया केसाकी को 3-0 से हराकर अंतिम 32 में जगह बना ली है। साथियान और मनिका बत्रा को पहले दौर में बाई मिली है और उनका अगला मुकाबला प्यूर्तोरिको के एड्रियाना डियाज और ब्रायन अफानडोर से होगा। मनिका और अर्चना को महिला युगल में पहले दौर में बाई मिली है।

लियोन ने कहा, पेन को टीम में शामिल करने से ध्यान नहीं भटकेगा

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन ने गुरुवार को कहा कि महिला सहकर्मी को आपत्तिजनक संदेश भेजने के कारण कप्तानी छोड़ने वाले टिम पेन को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला के लिये अंतिम एकादश में शामिल करने से मेजबान टीम का ध्यान नहीं भटकेगा। लियोन की प्रतिक्रिया पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की इस टिप्पणी के बाद आयी है कि पेन को टीम में शामिल करने से खिलाड़ियों का ध्यान भटक सकता है क्योंकि उनको लेकर चल रही चर्चा अभी खत्म नहीं होने वाली है। पेन ने 2017 में भेजे गये इन संदेशों के सार्वजनिक होने के बाद पिछले सप्ताह आस्ट्रेलिया की टेस्ट कप्तानी छोड़ दी थी। लियोन ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इससे किसी का ध्यान भटकेगा। आखिर में हम सभी पेशेवर खिलाड़ी हैं और जानते हैं कि हमें क्या करना है और इससे आगे कैसे बढ़ना है।'' इस 34 वर्षीय ऑफ स्पिनर ने पेन का समर्थन किया और उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर करार दिया। लियोन ने कहा, ''चयनकर्ता कहते रहे हैं कि वे सर्वश्रेष्ठ एकादश का चयन करेंगे और मेरी निगाह में टिम पेन दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर है। मैं उसे टीम में चाहता हूं। यह एक गेंदबाज के रूप में स्वार्थ हो सकता लेकिन मैं चाहता हूं कि विकेट के पीछे सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर रहे और मेरी नजर में वह टिम पेन है।'' उन्होंने कहा, ''प्रत्येक (टेस्ट) गेंदबाज के पेन के साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं और टिम पेन बहुत अच्छा इंसान है और आस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में वह सम्मानित व्यक्ति है।

मोईन अली और केनार लुईस ने दिलायी नार्दर्न वारियर्स को पहली जीत

अबुधाबी (एजेंसी)। मोईन अली और केनार लुईस के बीच पहले विकेट के लिये शतकीय साझेदारी की मदद से नार्दर्न वारियर्स ने चेन्नई ब्रेव्स को 19 रन से हराकर अबुधाबी टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। मोईन (19 गेंदों पर 49, तीन चौके, पांच छक्के) और लुईस (19 गेंदों पर 49, छह चौके, तीन छक्के) ने पहले विकेट के लिये 106 रन जोड़े। कप्तान रोवमैन पावेल ने 12 गेंदों पर 28 और समित पटेल ने नौ गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाये जिससे वारियर्स ने निर्धारित 10 ओवरों में चार विकेट पर 152 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में दासुन शनाका की अगुवाई वाली चेन्नई ब्रेव्स की टीम 9.5 ओवर में 133 रन पर आउट हो गयी। उसकी तरफ से भानुका राजपक्षे ने 13 गेंदों पर 34 और रवि बोपारा ने 13 गेंदों पर 30 रन बनाये। वारियर्स की तरफ से ओसेन थॉमस ने तीन जबकि जोश लिटिल और उमर अली ने दो दृ दो विकेट लिये। अभिमन्यु मिथुन ने एक विकेट हासिल किया।

आस्ट्रेलियाई ओपन से पहले खेले जाएंगे कई टूर्नामेंट

मेलबर्न (एजेंसी)। आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले जनवरी में एटीपी कप और सिडनी टेनिस क्लासिक सहित कई अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। टेनिस आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को कहा एटीपी कप टीम टूर्नामेंट एक से नौ जनवरी के बीच सिडनी में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सिडनी टेनिस क्लासिक टूर्नामेंट होगा जिसमें पुरुष और महिला खिलाड़ी भाग लेंगे। सर्बिया की टीम ने 2020 में पहले एटीपी कप को जीता था जबकि 2021 में इसका आयोजन फरवरी में किया गया जिसमें रूस विजयी रहा था। तब कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण इसमें केवल 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। इसके अलावा एडीलेड में मेमोरियल ड्राइव टेनिस सेंटर में दो सप्ताह तक पुरुष और महिला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मेलबर्न पार्क आस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाईंग मुकाबले शुरू होने से पहले तीन प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा। इनमें से डब्ल्यूटीए 250 के दो टूर्नामेंट और एटीपी 250 का एक टूर्नामेंट शामिल है जिनका आयोजन तीन से नौ जनवरी के बीच किया जाएगा। वर्ष 2022 का पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट आस्ट्रेलियाई ओपन 17 से 30 जनवरी के बीच मेलबर्न पार्क में खेला जाएगा।

स्पेन की डेविस कप टीम में नडाल नहीं, अल्कारेज पर होंगी निगाहें

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन डेविस कप फाइनल्स में अपने खिताब के बचाव के लिये दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल के बिना उतरेगा और ऐसे में सभी की निगाहें 18 वर्षीय कार्लोस अल्कारेज पर टिकी रहेंगी।

स्पेन शुक्रवार को इक्वाडोर के खिलाफ जब कोर्ट पर उतरेगा तो अल्कारेज आकर्षण का केंद्र होंगे। स्पेन दो साल में फिर से खिताब हासिल करने की कोशिश करेगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 में इस टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया था।

अल्कारेज डेविस कप में पहली बार खेलेंगे। उनके साथ पाब्लो कारेनो बस्टा और अल्बर्ट रामोस को टीम में लिया गया है। ये दोनों अल्कारेज से 10 साल बड़े हैं। टीम के चौथे सदस्य 40 वर्षीय फेलिसियानो लोपेज ने जब एटीपी टूर में खेलना शुरू किया था तब अल्कारेज का जन्म भी नहीं हुआ था। नडाल बायें पांव में चोट के कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं।

भारतीय शीर्ष क्रम लड़खड़ाया, नहीं चले पुजारा-रहाणे

कानपुर (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे के फिर से लंबी पारियां खेलने में नाकाम रहने के कारण भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के शुरुआती दिन गुरुवार को यहां चाय के विश्राम तक चार विकेट पर 154 रन बनाये।

लंबे कद के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन (38 रन देकर तीन) ने फिर से भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी में डाला। उन्होंने पहले सत्र में प्रभावशाली बल्लेबाजी करने वाले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (93 गेंदों पर 52 रन) को लंच के बाद पहले ओवर में आउट करने के बाद अच्छी लय में दिख रहे कप्तान रहाणे (63 गेंदों पर 35 रन) को पवेलियन भेजा। अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी (30 रन देकर एक) ने इस बीच चेतेश्वर पुजारा (88 गेंदों पर 26 रन) की एकाग्रता भंग की। भारत ने मयंक अग्रवाल (28 गेंदों पर 13) का विकेट पहले सत्र में गंवा दिया था। चाय के विश्राम के समय अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे श्रेयस अय्यर 17 और रविंद्र जडेजा छह रन पर खेल रहे थे।

गिल ने अपने कट और ड्राइव का शानदार नमूना पेश करके पहले सत्र में न्यूजीलैंड के मुख्य स्पिनर अयाज पटेल को बैकफुट पर रखा था लेकिन उनके दूसरे सत्र के शुरू में पवेलियन लौटने से भारतीय पारी का प्रवाह प्रभावित हुआ। जैमीसन की फुललेंथ गेंद को रक्षात्मक रूप से खेलने के लिये गिल आगे बढ़े लेकिन गेंद उनके बल्ले और पैड के बीच से निकलकर विकेटों में समा गयी। गिल ने अपनी पारी में पांच चौके और पटेल पर छक्का लगाया। पुजारा के पास शतक का लंबा इंतजार समाप्त करने का यह बेहतरीन मौका था। उन्होंने जैमीसन और पटेल पर चौका लगाकर अभी हाथ खोलने का प्रयास किया था कि साउदी की पांचवें स्टंप की लाइन पर की गयी गेंद उनके बल्ले को चूमती हुई विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल के दस्तानों में समा गयी। पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट शतक जनवरी 2019 में लगाया था।

वह पिछले 23 टेस्ट और 39 पारियों से तिहरे अंक में नहीं पहुंचे हैं और इस बीच उनका औसत 28.78 रहा है। यही आलम रहाणे का रहा जिनके करियर के लिये न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच अहम साबित हो सकते हैं। एकबारगी लग रहा था कि ग्रीन पार्क की पिच उन्हें रास आ रही है और वह बड़ी पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका जाने वाली टीम में अपनी जगह सुरक्षित कर लेंगे लेकिन जैमीसन ने जल्द ही यह भ्रम तोड़ दिया। रहाणे ने जैमीसन की बाहर जाती गेंद को बैकफुट पर जाकर कट करने के प्रयास में अपने विकेटों पर खेला। इससे ठीक पहली गेंद पर वह डीआरएस लेने के कारण आउट होने से बचे थे। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके लगाये। इससे पहले रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन भारत ने आठवें ओवर में ही अग्रवाल का विकेट गंवा दिया।

अग्रवाल के पास यह टीम में जगह पक्की करने का शानदार मौका था लेकिन जैमीसन की गेंद पर वह ब्लंडेल को कैच थमा दिया। चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाने वाले गिल ने मैदान के चारों तक आकर्षक शॉट खेलकर अपने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक पूरा किया उन्होंने साउदी के पहले स्पैल में सतर्कता बरतने के बाद अपने खूबसूरत कट और ड्राइव से बायें हाथ के स्पिनर पटेल की लेंथ बिगाड़ी। गिल और पुजारा ने दूसरे विकेट के लिये 61 रन जोड़े।

शुभमन गिल ने दी भारत को अच्छी शुरुआत

कानपुर (एजेंसी)। चोट से उबरने के बाद वापसी करने वाले शुभमन गिल ने शुरू की हिचकिचाहट के बाद अपना नैसर्गिक खेल दिखाकर नाबाद अर्धशतक जमाया जिससे भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट

क्रिकेट मैच के शुरुआती दिन गुरुवार को यहां लंच तक एक विकेट पर 82 रन बनाये। चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाने वाले गिल अभी 52 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। उन्होंने मैदान के चारों तक आकर्षक शॉट खेलकर अपने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक पूरा किया और विशेषकर न्यूजीलैंड के स्पिनरों को बैकफुट पर रखा। गिल ने अब तक पांच चौके और एक छक्का लगाया है। गिल के साथ पारी का आगाज करने वाले मयंक अग्रवाल (28 गेंदों पर 13 रन) ने टीम में जगह पक्की करने का स्वर्णिम मौका गंवाया। उन्होंने तेज गेंदबाज काइल जैमीसन (12 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को कैच थमाया। चेतेश्वर पुजारा ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी की। वह अभी 61 गेंदों पर 15 रन बनाकर खेल रहे हैं। इसका गिल पर हालांकि कोई असर नहीं पड़ा जिन्होंने टिम साउदी के पहले स्पैल में सतर्कता बरतने के बाद अपने खूबसूरत कट और ड्राइव से बायें हाथ के स्पिनर अयाज पटेल की लेंथ बिगाड़ी। गिल और पुजारा ने अब तक दूसरे विकेट के लिये 61 रन जोड़े हैं।

भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारत ने श्रेयस अय्यर को जबकि न्यूजीलैंड ने रचिन रविंद्र को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका दिया है। गिल को साउदी की गेंद पर पगबाधा आउट दिया गया था लेकिन बल्लेबाज ने डीआरएस का सहारा लिया जिससे अंपायर को फैसला बदलना पड़ा। पटेल के आक्रमण पर आने के बाद अलग तरह का गिल देखने को मिला। मुंबई में जन्में इस स्पिनर की शार्ट पिच गेंदों पर उन्होंने स्क्वायर कट या बैक कट लगाया तो आगे पिच करायी गेंदों पर अपने ड्राइव का कौशल दिखाया। जब केन विलियमसन ने पटेल का छोर बदला तो गिल ने उन पर छक्का लगाया।

मैनचेस्टर सिटी, रीयाल मैड्रिड और पीएसजी चौंपियन्स लीग के अंतिम 16 में

लंदन (एजेंसी)। यूरोप की शीर्ष टीमों मैनचेस्टर सिटी और रीयाल मैड्रिड ने बुधवार को अपने अपने मैच जीतकर चौंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में अपनी जगह सुरक्षित की, लेकिन एटलेटिको मैड्रिड बाहर होने की कगार पर है। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की टीम काइलन एमबापे के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल करने का फायदा नहीं उठा सकी और सिटी से 2-1 से हार गयी। इसके बावजूद फ्रांस की यह टीम ग्रुप ए से नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफल रही। रीयाल मैड्रिड ने शेरिफ को 3-0 से हराकर मोलदोवा की टीम से दो महीने पहले मिली 2-1 से हार का बदला चुकता किया और अंतिम 16 में जगह बनायी। रीयाल की तरफ से डेविड अलाबा, टोनी क्रूस और करीम बेंजेमा ने गोल किये। ग्रुप डी से रीयाल के अलावा इंटर मिलान ने नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

उसने एक अन्य मैच में शख्तार डोनेस्क को 2-0 से पराजित किया। तीन बार के यूरोपीय चौंपियन इंटर मिलान ने 10 साल के बाद अंतिम 16 में जगह बनायी। इस बीच स्पोर्टिंग लिस्बन ने पेड्रो गोंजालेज के दो गोल की मदद से बोरुसिया डोर्टमंड को 3-1 से हराकर नॉकआउट में पहुंचने का 13 साल का इंतजार खत्म किया। स्पोर्टिंग को ग्रुप सी में सितंबर में एजाक्स और डोर्टमंड से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन लगातार तीन जीत से पुर्तगाल की यह चौंपियन टीम एक मैच शेष रहते ही आगे बढ़ने में सफल रही। एजाक्स इस ग्रुप से पहले ही नॉकआउट में जगह बना चुका था। एजाक्स और लिवरपूल ने अपने अपने ग्रुप में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। एजाक्स ने सेबेस्टियन हालेर के दो गोल की मदद से बेसिकतास को 2-1 से हराया जबकि लिवरपूल ने ग्रुप बी में पोर्तो को 2-0 से पराजित किया। लिवरपूल ने अपने ग्रुप में दूसरे नंबर पर काबिज पोर्तो पर 10 अंक की बढ़त बना ली है। इस ग्रुप में सात दिसंबर को होने वाले आखिरी दौर के मैच काफी महत्वपूर्ण होने वाले हैं क्योंकि पोर्तो के अलावा एसी मिलान और एटलेटिको मैड्रिड नॉकआउट में पहुंचने की दौड़ में हैं। एसी मिलान ने जूनियर मेसियास के 87वें मिनट में किये गये गोल से एटलेटिको को 1-0 से हराकर आगे बढ़ने की उम्मीदें बरकरार रखी। मिलान को अब लिवरपूल की मेजबानी करनी है जबकि एटलेटिको को पोर्तो से उसके घरेलू मैदान पर मैच खेलना है।

स्मिथ और कमिंस ऑस्ट्रेलिया टेस्ट कप्तान के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार: लायन

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच आठ दिसंबर से गाबा में एशेज सीरीज की शुरुआत होने वाली है। इस पर ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्पिनर नाथन लायन का मानना है कि टिम पेन के इस्तीफे के बाद स्टीवन स्मिथ और तेज गेंदबाज पैट कमिंस

कप्तान के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं। इस मसले पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कमिंस और स्मिथ से बातचीत की थी, जिसे ऑस्ट्रेलिया के अगले टेस्ट कप्तान का चयन किया जा सके। ईएसपीएनक्रिकइंफो से लायन ने कहा, मुझे लगता है कि आप उन दोनों खिलाड़ी को देखें, जिनके साथ सीए ने बाचतीच की है। मेरी नजरों में दोनों सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार हैं। लायन के अनुसार, मुझे लगता है कि उन्होंने ईमानदारी से अच्छा काम किया है। यह बहुत कठिन निर्णय होने जा रहा है, अगर कमिंस को कप्तान बनाया जाता है तो सीनियर खिलाड़ी उनका का समर्थन करने के साथ-साथ मैदान पर उनकी मदद भी करेंगे। लायन ने कहा कि टीम में सबसे अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद उन्हें नेतृत्व की भूमिका में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि कमिंस आगे की सीरीज भारत और इंग्लैंड के दौरे के साथ कम से कम दो और साल खेलना चाहते हैं। लायन ने भी कहा, इसलिए मैं पैट और स्टीव का समर्थन कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि स्मिथ के पास क्रिकेट का बहुत अच्छा अनुभव है और उनकी क्षमता पूरी दुनिया का पता है। इस साल मार्च में स्मिथ ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया के लिए फिर से कप्तानी करने की इच्छा के बारे में खुलकर बात की थी। इससे पहल, मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक विवाद में शामिल होने के कारण स्मिथ को कप्तानी से हटा दिया गया था।

कई उतार-चढ़ाव के बाद श्रेयस अय्यर ने टेस्ट में किया डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अस्पताल के बिस्तर से लेकर टेस्ट डेब्यू तक, श्रेयस अय्यर ने कई उतार-चढ़ाव के बाद यह सफलता पाई है। क्रिकेटरों को चोट लगना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन चोट से उबरना और टेस्ट में डेब्यू करना यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। अय्यर ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने इलाज के दौरान की एक तस्वीर साझा की थी, इसके थोड़े दिनों बाद ही उन्होंने टेस्ट जर्सी में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की। 23 मार्च को पुणे में इंग्लैंड के खिलाफ चोट लगने के बाद, अय्यर को लंबे समय तक मैदान से दूर रहना पड़ा। उनको यूके में सर्जरी करानी पड़ी, इस दौरान वह रॉयल लंदन कप में लंकाशायर के लिए भी अनुपस्थिति रहे। वह 2021 की शुरुआत में आईपीएल के पहले फेस में नहीं खेले थे।

उनकी जगह पर ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी सौंपी गई थी। अय्यर इलाज के लिए यूके चले गए और इसके बाद वह फिट होकर आईपीएल के दूसरे फेस में वापस आए। आईपीएल के बाद, श्रेयस को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के लिए टी20 टीम में चुना गया था, लेकिन वह टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं बन सके। बुधवार को कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की शुरुआत से पहले महान सुनील गावस्कर से टेस्ट कैप हासिल करने के बाद अय्यर भारत के 303 वें टेस्ट क्रिकेटर बन गए। यह टेस्ट कैप, प्रथम श्रेणी में 54 मैचों में 52.18 के औसत से

4592 रन के बाद आई है। अय्यर ने 2017 में अपना वनडे डेब्यू किया। साथ ही 54 टी20 मैच खेले। उन्होंने वनडे में 42.7 और टी20 में 27.6 की औसत से 1393 रन बनाए। लगातार रन बनाने की उनकी क्षमता को देखकर माना जा रहा था कि जल्द ही उनको टेस्ट टीम में शामिल किया जाएगा। गुरुवार को बीसीसीआई ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अय्यर के चेहरे पर शांति नजर आ रही थी। अय्यर को कोच द्रविड़, कप्तान अजिंक्य रहाणे के सामने गावस्कर ने उनको कैप देते हुए बधाई दी। इसके बाद टीम के बाकी साथियों ने उनको इस पल के लिए शुभकामनाएं दीं। अय्यर इस उपलब्धि को पाकर बेहद भावुक नजर आए। अय्यर के लिए कानपुर का मैदान कोई नया नहीं है। 2019 में उन्होंने प्रवीण कुमार, अंकित राजपूत और पीयूष चावला के आक्रमण के खिलाफ 75 रनों की अपनी शानदार पारी से मुंबई रणजी टीम को बचाया था। अब उन्हें अपनी टेस्ट कैप उसी स्थान पर मिली जहां उन्होंने रेड-बॉल क्रिकेट की शुरुआत की थी। वास्तव में, वह पहले ही टेस्ट टीम के हिस्सा हो जाते, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण वह रह जाते थे। मार्च 2017 में, उन्हें धर्मशाला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे और अंतिम टेस्ट के लिए विराट कोहली की जगह बुलाया गया था, लेकिन यहां भी वह टेस्ट कैप से चुक गए थे। अब चार साल बाद आखिरकार उन्होंने वह मुकाम हासिल कर ही लिया, हालांकि उनको यहां तक पहुंचने में थोड़ा समय लगा।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पाक टीम की घोषणा, इमाम-उल-हक को मिला मौका

चटगांव (एजेंसी)। पाकिस्तान ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए 12 खिलाड़ियों की घोषणा की। टीम में पूर्व कप्तान अजहर अली और इमाम-उल-हक को शामिल किया गया है। बता दें कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच यहां जहूर अहमद क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम में मोहम्मद रिजवान टीम के उपकप्तान होंगे। प्रमुख स्पिनर यासिर शाह की अनुपस्थिति में शाहीन शाह अफरीदी अपने तेज गेंदबाजी का नेतृत्व करेंगे, जबकि शाजिद खान और नौमान अली स्पिन गेंदबाजी विभाग को संभालेंगे। इमाम-उल-हक ने घरेलू सत्र के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था, उनको 20 सदस्यीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, जिसमें उन्होंने 488 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। गुरुवार को

उनको पाकिस्तान टीम में पहले टेस्ट के लिए शामिल किया गया। अब्दुल्ला शफीक, आबिद अली, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवाद आलम और हसन अली को भी 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है, इसमें से 11 खिलाड़ी शुक्रवार को मैदान पर उतरेंगे। दूसरा टेस्ट चार दिसंबर से शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान ने अब तक बांग्लादेश के खिलाफ 10 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से नौ में जीत मिली है। 2015 में बांग्लादेश ने एकमात्र मैच घर में ड्रॉ करवाया था जब तमीम इकबाल ने शानदार पारी खेलते हुए पहला दोहरा शतक बनाया था। पाकिस्तान टीम: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान (उपकप्तान और विकेट कीपर), अब्दुल्ला शफीक, आबिद अली, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवाद आलम, हसन अली, इमाम-उल-हक, नौमान अली, साजिद खान और शाहीन शाह अफरीदी।

ड्रीम स्पोर्ट्स ने आठ अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 840 मिलियन डॉलर जुटाए

मुंबई (एजेंसी)। खेल प्रौद्योगिकी कंपनी ड्रीम स्पोर्ट्स ने फाल्कन एज, डीएसटी ग्लोबल, डी1 कैपिटल, रेडबर्ड कैपिटल और टाइगर ग्लोबल के नेतृत्व में विभिन्न निवेशकों से 84 करोड़ डॉलर (करीब 6,252.2 करोड़ रुपये) जुटाए है। इस लिहाज से कंपनी का मूल्यांकन आठ अरब डॉलर बैठता है।

कंपनी ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि वित्तपोषण के इस दौर में टीपीजी और फुटपाथ वेंचर्स जैसे मौजूदा निवेशकों ने भी भाग लिया। यह खेल के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े निवेश में से एक है। ड्रीम के सीईओ और सह-संस्थापक हर्ष जैन ने कहा, हमारा मिशन खेलों में प्रशंसकों से लेकर एथलीटों, टीमों और लीग और सभी हितधारकों के लिए निवेश, नवाचार और धन सृजन का एक उद्यमी-नेतृत्व वाला चक्र बनाना है। डीएसटी ग्लोबल के मैनेजिंग पार्टनर राहुल मेहता ने कहा, हम भारत में स्पोर्ट्स टेक कंपनी बनाने के उनके विजन में ड्रीम स्पोर्ट्स परिवार के साथ साझेदारी करने को लेकर उत्साहित हैं। ड्रीम कैपिटल ने दस कंपनियों का एक प्रारंभिक पोर्टफोलियो बनाया है, जो मुख्य रूप से भारत में शुरूआती चरण के निवेश पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें फिटर, सोस्ट्रोंक, खेलोमोर और एलेवर शामिल हैं। ड्रीम स्पोर्ट्स के पास मौजूदा समय में ड्रीम कैपिटल, फैनकोड, ड्रीम11, ड्रीमसेटगो, ड्रीम गेम स्टूडियोज और ड्रीमपे जैसे ब्रांड हैं। वर्ष 2008 में हर्ष जैन और भावित सेठ द्वारा स्थापित इस कंपनी का मुख्यालय मुंबई में है और इसमें करीब हजार से ज्यादा लोग कार्यरत हैं।

स्वीट बिरयानी : एक फूड डिलीवरी बॉय के जीवन और भावनात्मक लगाव को बयां करती है : के. जयचंद्र हाशमी

अनंत जोशी

क्रिएटर्स जज नहीं होते, उन्हें सिर्फ मुद्दे का समाधान करना चाहिए : हाशमी

एक प्रसिद्ध उद्धरण है जो कहता है, कला द्वारा परेशान लोगों को आराम देना चाहिए और आराम से परेशान करना चाहिए। मुझे लगता है कि यह फिल्म समाज के उन लोगों को परेशान करेगी, जिन्हें जाति, वर्ग और अन्य आधिकारिक मानकों के माध्यम से पैरोकार मिलता है। यह बात भारतीय पैनोरमा गैर-फीचर फिल्म स्वीट बिरयानी के निदेशक के. जयचंद्र हाशमी ने गोवा में 52वें इफ्फी के मौके पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कही।

प्रेस को संबोधित करते हुए, हाशमी ने कहा कि कहानी एक खाद्य वितरण करने वाले व्यक्ति मारीमुथु की है और एक ही दिन में उसके अनुभवों के बारे में है। वह देने के लिए बहुत सारे खाद्य पैकेजों के साथ यात्रा करता है, एक ऐसे परिवार से मिलता है जिसके पास खाने के लिए भोजन नहीं है, लेकिन वह उन्हें खिलाने के लिए असहाय है। यह फिल्म में पेश की गई विडंबना है।

भारत में कई लोगों के लिए शानदार भोजन होना एक बुनियादी बात है और कई लोगों के लिए भोजन अपने आप में एक विलासिता है। मैं इन दो विपरीत विचारों को अपनी फिल्म में लाना चाहता था।

उन्होंने कहा कि फिल्म एक फूड डिलीवरी बॉय के दैनिक जीवन और उसके सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डालती है, जिन पर ग्राहक शायद ही ध्यान देते हैं और सहानुभूति रखते हैं। इस फिल्म को बनाने के बाद मैंने भोजन का सम्मान करना और अपना आपा खोए बिना धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करना सीख लिया है, जब भोजन की डिलीवरी में देरी हो जाती है। यही वह बदलाव है जो फिल्म ने मुझमें लाया है और यही फिल्म की सफलता है। फिल्म निर्माण की अपनी शैली के बारे में बात करते हुए, निर्देशक ने कहा कि निर्माता न्यायाधीश नहीं हैं और उन्हें केवल इस मुद्दे को संबोधित करना चाहिए। मैंने केवल अपनी कहानी दिखाई है जैसा मैंने कल्पना की थी। मैंने कोई उपाय नहीं बताया है, यह दर्शकों पर निर्भर है। शीर्षक के पीछे अपने विचार के बारे में एक सवाल के जवाब में, हाशमी ने कहा कि मारीमुथु नायक, एक ग्राहक के उसके प्रति उच्च-हाथ के व्यवहार को देखते हुए, असभ्य ग्राहक द्वारा ऑर्डर की गई बिरयानी को एक अलग व्यक्ति को वितरित करता है। यह एक घटना उसके दिमाग को बदल देती है और उसके सारे अपमान और निराशा को मिटा देती है। उन्होंने कहा, मसालेदार बिरयानी मारीमुथु के लिए मुस्कान लेकर आई और मुझे उम्मीद है कि यह दर्शकों के लिए भी मुस्कान लाएगी। मारीमुथु की भूमिका निभाने वाले सरिथिरन और फिल्म के संपादक गौतम जीए ने भी इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किए। दर्शकों के विशेष अनुरोध पर सरिथिरन ने स्वीट बिरयानी में मारीमुथु के व्यापक रूप से सराहे गए सिग्नेचर वॉक के साथ फर्श पर धूम मचा दी। निर्देशक और निर्माता के बारे में: के जयचंद्र हाशमी 2009 से लघु फिल्में बना रहे हैं। वह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक सीनू रामासामी के साथ एक सहयोगी निर्देशक थे। उनकी कुछ पुरस्कार विजेता फिल्मों में मौना मोझी, अराम, कलावु और टू-लेट शामिल हैं। फिल्म के बारे में: मारीमुथु, एक कानून का छात्र, अपने परिवार का समर्थन करने के लिए भोजन वितरित करता है। उन्हें पूरे दिन बाइक की सवारी करने और सड़क पर गाने सुनने का आनंद मिलता है। जब पुरुषों का एक समूह उसे दूसरे स्थान पर अपना ऑर्डर देने के लिए कहता है, तो मारीमुथु पहले विरोध करता है लेकिन उन्हें खाना देता है। लेकिन समूह उनके अपरंपरागत चलने और उनकी पृष्ठभूमि के कारण उनके साथ अनादर का व्यवहार करता है और भोजन के लिए उन्हें भुगतान करने से मना कर देता है। घटना के बाद घर वापस मारीमुथु की भावनात्मक सवारी फिल्म को जड़ बनाती है।

कलाकार समूह

निर्देशक, निर्माता और पटकथा : के. जयचंद्र हाशमी

डीओपी : प्रवीण बालू

संपादक : गौतम जी.ए.

कलाकार : सरिथिरन, बालाजी वेणुगोपाल, सुमति, दीपन, निव्या, अहमब्रो, थेलीपन।

मी वसंतराव : एक फिल्म जो सभी को आकर्षित करती है, हर उभरते अभिनेता को प्रोत्साहित करती है : निपुण धर्माधिकारी

संवाददाता

वसंतराव देशपांडे की अपार प्रतिभा को समझना आम लोगों की पहुंच से बाहर है

यदि आप महाराष्ट्र में पले-बढ़े हैं और आप शास्त्रीय संगीत या संगीत से मोहित हैं, तो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में अवलिया पंडित वसंतराव देशपांडे का नाम निश्चित रूप से आपके लिए नया नहीं है। फिल्म श्रेणी में 52वें इफ्फी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के भारतीय पैनोरमा खंड में प्रस्तुत, मी वसंतराव शास्त्रीय संगीत में इस महान कलाकार की यात्रा को दर्शाता है और न केवल महाराष्ट्र में बल्कि पूरे भारत में फिल्म और संगीत विशेषज्ञों को प्रेरित करने का वादा करता है। संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, फिल्म के निर्देशक निपुण धर्माधिकारी ने कहा कि फिल्म में विभिन्न दर्शकों तक पहुंचने की क्षमता है। भले ही फिल्म की कहानी व्यक्तिगत रूप से वसंतराव देशपांडे की है, लेकिन इसमें हर उस व्यक्ति के लिए एक सार्वभौमिक अपील है जो एक अभिनेता बनना चाहता है। यह फिल्म, जो दुनिया भर से लंबाई की सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक अवार्ड की दौड़ में है, वर्णन करती है कि प्रसिद्ध होने से पहले वसंतराव के जीवन में क्या हुआ था। महाराष्ट्र, विदर्भ के एक गांव में जन्मे और बाद में नागपुर में उनकी मां द्वारा किया गया परवरिश, वसंतराव का जीवन रोमांचक घटनाओं का एक कैनवास है जिसने उनके जीवन और संगीत वाद्ययंत्र को आकार दिया। उनके जीवन को आकार देने वाली घटनाओं में महान कलाकार, पीएल देशपांडे और बेगम अख्तर के बीच अद्वितीय मित्रता, भारतीय सेना में उनकी सेवा, लाहौर में उनकी संगीत शिक्षा, 1962 के युद्ध के दौरान भारत-चीन सीमा पर उनकी भूमिका और भूमिका शामिल हैं। मी वसंतराव में वसंतराव की भूमिका उनके पोते और प्रमुख समकालीन शास्त्रीय गायक राहुल देशपांडे ने निभाई है। अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए, निर्देशक ने कहा- मैंने राहुल देशपांडे के साथ काम किया है और हमने एक साथ संगीत को पुनर्जीवित किया है। भले ही वह एक पेशेवर अभिनेता नहीं हैं, लेकिन उन्होंने इस भूमिका को बहुत अच्छे से निभाया है। धर्माधिकारी ने कहा कि इस फिल्म की कहानी को बनाने में दो साल लग गए क्योंकि वसंतराव देशपांडे की अपार प्रतिभा को समझना आम आदमी की ताकत से बाहर है। मैं वसंतराव द्वारा अपने जीवन में लिए गए निर्णयों के पीछे का कारण जानना चाहता था। हालाँकि वे अपने समय के सर्वश्रेष्ठ गायकों में से एक थे, लेकिन अपने शुरुआती जीवन में कुछ घटनाओं के कारण, उन्होंने उस समय गायन के प्रति प्रेम न पैदा करने का फैसला किया। हमने फिल्म में दिखाया है कि वे अपना प्रोफाइल बढ़ाने के लिए ज्यादा उत्सुक नहीं हैं। हम जीवन में बाद में हुई दो घटनाओं को भी कवर करते हैं। इफ्फी में फिल्म की रिलीज के बाद फिल्म की पहुंच और दर्शकों की प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए निपुण धर्माधिकारी ने कहा, दर्शकों ने कहा कि वे फिल्म को उनकी भाषा में देखना पसंद करेंगे। मुझे नहीं पता कि यह कैसे संभव होगा, लेकिन चूंकि फिल्म एक कालातीत कला है।

वरुण धवन की फिल्म 'भेड़िया' अगले साल 25 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

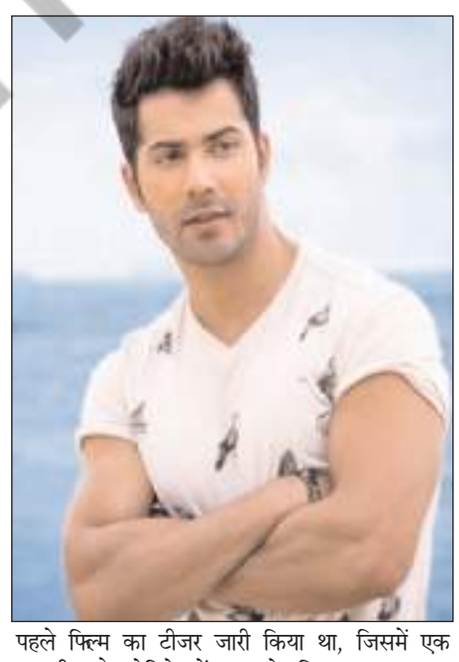

अभिनेता वरुण धवन अभिनीत फिल्म 'भेड़िया' अगले साल 25 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भेड़िया' का निर्देशन 'बाला' फिल्म बनाने वाले अमर कौशिक कर रहे हैं और नीरेन भट्ट ने इसकी पटकथा लिखी है। भट्ट को 'असुर' और मशहूर टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के लिए जाना जाता है। 'भेड़िया' के निर्माताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म रिलीज की नई तारीख और फिल्म का 'फर्स्ट लुक' जारी किया।

फिल्म के पोस्टर में लिखा है, ''आइए अगले साल इसी तारीख को मिलते हैं। वरुण धवन, कृति सेनन अभिनीत 'भेड़िया' 25 नवंबर 2022 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस साल मार्च में अरुणाचल प्रदेश के जीरो शहर में इस फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी। पहले इसे 14 अप्रैल 2022 को रिलीज करने की तैयारी थी। 'भेड़िया' के निर्माता दिनेश विजन की 'स्त्री' और 'रूही' के बाद हॉरर-कॉमेडी श्रेणी की यह तीसरी फिल्म है। फिल्म में स्पेशल इफेक्ट के लिए हॉलीवुड के स्टूडियो मिस्टर एक्स की सेवा ली गई है। विजन ने कहा, ''जब से हमने 'भेड़िया' की पटकथा पर काम शुरू किया तब से हमें पता था कि हमारी फिल्म के लिए मिस्टर एक्स स्टूडियो की विशेषज्ञता की जरूरत है।'' निर्माताओं ने पहले फिल्म का टीजर जारी किया था, जिसमें एक आदमी को भेड़िये में बदलते दिखाया गया था। **(एजेंसी)**